दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

राम चरण की पेद्दी
बॉक्स ऑफिस ...8

बलरामपुर
रविवार, 14 जून 2026
वर्ष: 05 अंक : 253 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

जोरहाट में एएन-32 विमान क्रैश: भारतीय वायुसेना के 5 जवान शहीद

हादसे की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश

जोरहाट। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को असम के जोरहाट में राउरिया एयर फोर्स स्टेशन पर AN–32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से वायु सेना के पाँच कर्मियों की मौत हो गई। को–पायलट इस हादसे में बच गया और अभी उसका इलाज चल रहा है। भारतीय वायु सेना ने श्श पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय वायुसेना को जान–माल के नुकसान पर गहरा अफसोस है और दुख की इस घड़ी में वह पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। एएन–32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ऊपरी असम में रणनीतिक रूप से अहम एयर बेस के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि यह एयरक्राफ्ट अरुणाचल प्रदेश से जोरहाट जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। हादसे के बाद, भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना की वजह का पता लगाने के लिए श्कोर्ट ऑफ इन्क्वायरीश के आदेश दिए। इससे पहले, ьाृ ने पुष्टि की थी कि जोरहाट में लैंडिंग के दौरान एक एएन–32 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया। आगे की जानकारी का इंतजार है। असम में भारतीय वायु सेनाके एएन–32 विमान हादसे पर एयर मार्शल संजीव कपूर (रिटायर्ड) ने कहा कि असली वजह तभी पता चलेगी जब और जानकारी सामने आएगी या कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। उन्होंने कहा कि एएन–32 एक बहुत सुरक्षित विमान है जो पिछले 40 सालों से भारतीय वायु सेना में उड़ान भर रहा है। यह उत्तर में सियाचिन, लेह, लद्दाख और ड्रॉप जोन में काम करने वाले ट्रांसपोर्ट बेड़े की रीढ़ रहा है। यह अंडमान और निकोबार में समुद्र के ऊपर और लक्षद्वीप और पोर्ट ब्लेयर जैसे हमारे द्वीपीय इलाकों में भी काम करता रहा है। उन्होंने कहा कि यह दक्षिण–पश्चिमी एयर कमांड के रेगिस्तानी इलाकों में भी काम करता रहा है। यह हमारे तटीय इलाकों में समुद्री भूमिकाओं में भी काम करता रहा है। कुल मिलाकर, चाहे पैरा–जंपिंग हो, हमला हो, लोगों को सुरक्षित निकालना हो, स्पेशल ऑपरेशन हो या सामान्य कम्युनिकेशन हो, ये विमान भारतीय वायु सेना के लिए हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। इन्हें अपग्रेड किया गया है। पुराने होने के बावजूद, ये बिल्कुल अच्छी हालत में हैं।

बेटी तो बेटी होती है: सीएम योगी ने अखिलेश की बेटी की ट्रोलिंग पर कहा– मर्यादा रखें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी की ऑनलाइन ट्रोलिंग की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, किसी भी बेटी को अपमानजनक या दुर्भावनापूर्ण सार्वजनिक टिप्पणियों का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए। आजमगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान, जहाँ उन्होंने 955 करोड़ रुपये से ज़्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव की बेटी के बारे में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ फैलाए जाने की बात सुनकर उन्हें दुख हुआ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जैसे ही यह मामला उनके संज्ञान में आया, उन्होंने पुलिस को FIR दर्ज करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। महिलाओं के सम्मान के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय समाज ने पारंपरिक रूप से हर बेटी और बहन को सम्मान और देखभाल की दृष्टि से देखा है और सार्वजनिक जीवन में भी ऐसे मूल्यों को बनाए रखा जाना चाहिए। यह बयान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर एक फर्जी और मानहानि करने वाली पोस्ट शेयर करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ FIR दर्ज होने के कुछ दिनों बाद आया है। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट की साइबर सेल ने यह मामला तब दर्ज किया जब समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी छवि खराब करने के मकसद से ऑनलाइन गुमराह करने वाला और अपमानजनक कंटेंट फैलाया जा रहा था। शिकायत के मुताबिक, ग पर अखिलेश यादव की बेटी की एक तस्वीर झूठे दावों और अपमानजनक टिप्पणियों के साथ शेयर की गई थी। शिकायत करने वाले का आरोप था कि तस्वीर के साथ छेड़छाड़ (मॉर्फिंग) की गई थी और लगाए गए आरोप पूरी तरह झूठे थे, जिनका मकसद उन्हें बदनाम करना था। पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव से यह भी कहा कि वे अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को सार्वजनिक बातचीत में मर्यादा बनाए रखने के लिए कहें। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के कारण अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब बात महिलाओं, बुजुर्गों और राजनीतिक विरोधियों की हो।

सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में मजबूती से काम कर: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देश के युवाओं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के विजन को लेकर एक बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में मजबूती से काम कर रही है। उन्होंने पिछले 12 वर्षों को भारतीय युवाओं के आत्मविश्वास में आए क्रांतिकारी बदलाव का दौर बताया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पीएम मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता संभालने के साथ ही देश के संसदीय इतिहास में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया है। मोदी ने यह भी कहा कि भारत के युवा विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे कई क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि भारत के युवा उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "राजग सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में मजबूती से काम कर रही है।

भारत के युवा उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे

रेलवे विकास के सूत्रधार बने सांसद जगदंबिका पाल, सिद्धार्थनगर को दिलाई देशभर से नई पहचान

दैनिक बुद्ध का संदेश /राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जगदंबिका पाल को सिद्धार्थनगर में रेलवे विकास का प्रमुख सूत्रधार माना जाता है। सीमावर्ती जिले को बेहतर रेल सुविधाओं से जोड़ने के लिए उन्होंने संसद से लेकर रेल मंत्रालय तक लगातार पैरवी की, जिसका परिणाम आज जिले के लोगों को मिल रही आधुनिक रेल सुविधाओं के रूप में दिखाई दे रहा है। एक समय था जब सिद्धार्थनगर के लोग मीटर गेज रेलवे लाइन की सीमित सुविधाओं पर निर्भर थे। गोंडा से गोरखपुर के बीच चलने वाली छोटी लाइन के कारण लंबी दूरी की यात्रा मुश्किल होती थी। यात्रियों को कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती थी और महानगरों तक पहुंचने में काफी समय लगता था। सांसद जगदंबिका पाल ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया और लगातार प्रयास कर इस रेलखंड के अमान परिवर्तन (मीटर गेज से ब्रॉड गेज) का मार्ग प्रशस्त कराया। ब्रॉड गेज बनने के बाद सिद्धार्थनगर विकास की नई पटरी पर दौड़ पड़ा। आज सिद्धार्थनगर, नौगढ़, उस्का बाजार, शोहरतगढ़ और बढ़नी रेलवे स्टेशनों के माध्यम से जिले का सीधा संपर्क देश के कई बड़े शहरों से हो चुका है। अब यहां के लोग दिल्ली, मुंबई, अमृतसर, गुवाहाटी, कोलकाता, लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा और बस्ती जैसे प्रमुख शहरों की यात्रा आसानी से कर रहे हैं। इससे छात्रों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और प्रवासी श्रमिकों को सबसे अधिक लाभ मिला है। सांसद जगदंबिका पाल के प्रयासों से ही खलीलाबाद– बहराइच नई रेल लाइन परियोजना को भी गति मिली। इस परियोजना के पूरा होने के बाद बांसी क्षेत्र पहली बार सीधे रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। इससे क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और रोजगार की नई संभावनाएं विकसित होंगी। नेपाल सीमा से सटे बढ़नी रेलवे स्टेशन के महत्व को बढ़ाने के लिए भी सांसद ने लगातार प्रयास किए। सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने और आवागमन को आसान बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि मीटर गेज से ब्रॉड गेज तक का सफर सिद्धार्थनगर के विकास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। बेहतर रेल संपर्क ने जिले की तस्वीर बदलने का काम किया है। आज सिद्धार्थनगर का युवा शिक्षा के लिए, व्यापारी कारोबार के लिए और आम नागरिक बेहतर सुविधाओं के लिए आसानी से देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच पा रहे हैं।

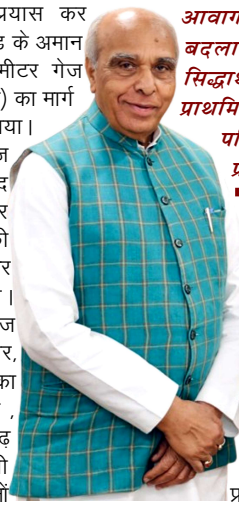

"सांसद जगदंबिका पाल का मानना है कि रेल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक बदलाव का मजबूत माध्यम है। उनका कहना है कि सिद्धार्थनगर को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में रहा है और आगे भी जिले को नई रेल परियोजनाओं तथा बेहतर सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास जारी रहेगा।"

बीजेपी का पंजाब मिशन 2027: सभी 117 सीटों पर अकेले लड़ेगी चुनाव, अब नहीं गठबंधन

13 जून को नई दिल्ली में हुई एक हाई–लेवल मीटिंग के बाद, भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की अपनी योजना की पुष्टि की है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने पत्रकारों से कहा कि हमने पंजाब की राजनीति पर चर्चा की। यह बहुत अच्छी बैठक थी। पंजाब के लिए हमारा एकमात्र एजेंडा विकास है। हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगेय अभी गठबंधन की कोई बात नहीं हो रही है। हम पंजाब में बीजेपी की सरकार बनाएंगे। बीजेपी नेता मनप्रीत सिंह बादल ने भी पंजाब की आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए डबल–इंजन सरकार बनाने के मकसद से, बिना किसी गठबंधन के हर सीट पर चुनाव लड़ने की पार्टी की रणनीति की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी नेता नितिन नवीन की अगुवाई में पंजाब बीजेपी की बैठक हुई। इस बैठक में पंजाब के सामने मौजूद चुनौतियों, उनके समाधान और आने वाले चुनावों को लेकर लोगों की उम्मीदों पर चर्चा की गई। हमने इस बात पर विचार किया कि पंजाब को आर्थिक और सामाजिक संकट से कैसे बाहर निकाला जाए और उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा को कैसे बहाल किया जाए। यह तय किया गया कि पार्टी सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

टीएमसी में बगावत के सुर थमे?

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की पार्टी में बढ़ती ताकत पर सवाल उठाने और सार्वजनिक रूप से उन पर निशाना साधने के दो दिन बाद ही, शनिवार को टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सुलह का रुख अपनाया। उन्होंने अभिषेक को अपना ष्बेटाष् बताया और पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी को तोड़ने की धमकी देने वाले बागी गुट के खिलाफ एकजुटता दिखाई। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि वह मेरे बेटे जैसा है। बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम होता है। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब टीएमसी गहरे आंतरिक संकट से जूझ रही हैय बागी सांसद और विधायक संसद और राज्य विधानसभा, दोनों जगहों पर एक अलग गुट को समर्थन देने का दावा कर रहे हैं। बागियों की कोशिशों को खारिज करते हुए, सेरामपुर से चार बार के सांसद ने आरोप लगाया कि विपक्ष को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और उन्होंने बीजेपी पर पार्टी को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। पश्चिम बंगाल में कभी ऐसी स्थिति नहीं आई जब विपक्ष का सफाया हो गया हो। यह ब्ड (सुवेंदु अधिकारी) प्रतिशोध की भावना रखने वाले हैं। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है।

अमरनाथ यात्रा 2026: अमित शाह ने की सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा, बनाया गया अभेद्य सुरक्षा घेरा, घाटी से लेकर पहाड़ों तक हाई अलर्ट

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा को लेकर केंद्र सरकार इस बार पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। यात्रा के दौरान सुरक्षा, निगरानी और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक अहम समीक्षा बैठक हुई, जिसमें जम्मू–कश्मीर प्रशासन, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि यात्रा के दौरान सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर विभाग मिलकर समन्वय के साथ काम करेगा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी सुरक्षा और नागरिक एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए कि विभागीय तालमेल में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। हम आपको बता दें कि इस बार यात्रा केवल पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आधुनिक तकनीक, त्वरित खुफिया समन्वय और जमीनी निगरानी के संयुक्त ढांचे पर आधारित होगी। बैठक में सबसे अधिक जोर बहुस्तरीय अभेद्य सुरक्षा घेरा तैयार करने पर दिया गया। जम्मू–कश्मीर पुलिस, केंद्रीय बलों, सेना और विशेष आतंकवाद विरोधी इकाइयों को एकीकृत अभियान प्रणाली के तहत काम करने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रा मार्गों, आधार शिविरों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बलों की तैनाती होगी। चौबीसों घंटे गश्त, कड़ी वाहन जांच और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के लिए विशेष नियंत्रण प्रणाली विकसित की जा रही है। उद्देश्य साफ है कि किसी भी खतरे को जन्म लेने से पहले ही कुचल देना। तकनीकी निगरानी इस बार सुरक्षा रणनीति का सबसे मजबूत स्तंभ बनने जा रही है। यात्रा मार्गों और शिविरों पर व्यापक स्तर पर कैमरा नेटवर्क लगाया जाएगा। ड्रोन के जरिये ऊंचाई वाले कठिन इलाकों, संकरे मार्गों और संवेदनशील बिंदुओं पर लगातार नजर रखी जाएगी। नियंत्रण कक्षों को लाइव वीडियो फीड मिलेगी, जिससे किसी भी संदिग्ध हलचल या आपात स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। सुरक्षा एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचना साझा करने के लिए विशेष संचार प्रणाली भी स्थापित की जाएगी। जमीनी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे यात्रा मार्गों और प्रमुख शिविरों पर तैनात रहने का फैसला लिया गया है। ये अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था, आपदा प्रबंधन अभ्यास और यात्री सहायता केंद्रों की निगरानी करेंगे। सरकार का मानना है कि शीर्ष नेतृत्व की सीधी मौजूदगी से निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और किसी भी संकट की स्थिति में तत्काल कार्रवाई संभव हो सकेगी। हालांकि सरकार का फोकस केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वास्थ्य प्रबंधन पर भी विस्तृत चर्चा हुई। पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि यात्रियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। स्वच्छ पेयजल, अस्थायी आवास, बिजली और साफ सफाई की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। ऊंचाई वाले कठिन मार्गों को देखते हुए विशेष चिकित्सकीय शिविर लगाए जाएंगे, जहां आक्सीजन सुविधा, गंभीर चिकित्सा सहायता, विशेषज्ञ चिकित्सक और आपातकालीन वाहन चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगे। हिमालयी क्षेत्र के अनिश्चित मौसम और भौगोलिक जोखिमों को देखते हुए आपदा प्रबंधन व्यवस्था को भी युद्धस्तर पर मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बलों को हर समय उच्च सतर्कता पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। अचानक बाढ़, बादल फटने या भूस्खलन जैसी स्थितियों से निपटने के लिए राहत सामग्री, भारी मशीनें, संचार उपकरण और बचाव संसाधन पहले से संवेदनशील स्थानों पर तैनात किए जाएंगे ताकि आपात निकासी अभियान बिना बाधा जारी रह सके।

भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा में श्रृंगार किया

जौनपुर। राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद द्वारा भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा में लगातार सवा महीने होने पर भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा में श्रृंगार किया गया और दिव्य भव्य आरती किया गया। जिला अध्यक्ष गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव की टीम ने मीटिंग में संकल्प लिया था कि अपने आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा में सवा महीने प्रतिदिन आरती किया जाय तो टीम ने संकल्प पूरा करते हुए भगवान का भव्य श्रृंगार भगवान भक्त सोमेश श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अभिलव श्रीवास्तव संगठन महामंत्री द्वारा किया गया।श्रृंगार पूजन आरती में जिलाध्यक्ष गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव एवं कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी अस्थाना, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक मीडिया प्रभारी,राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव , ,रूपेश श्रीवास्तव कवि अकेला, शैलेन्द्र मोहन संगठन मंत्री ने पूजन किया ।भगवान चित्रगुप्त मंदिर धर्मशाला अध्यक्ष रामेंद्र श्रीवास्तव एडवोकेट ने सूचना दी कि भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा प्रातः 6 बजे से दस बजे तक और शाम को 6 बजे से दस बजे रात्रि तक खुलता है मंदिर में भगवान जी के लिए पंखा एवं लाइट लगाने का कार्य किया गया है ।

भुगतान को लेकर कोटेदारों ने उठाई आवाज

जौनपुर । गेहूं खरीद के लिए इस्तेमाल किए गए बोरों के भुगतान में देरी को लेकर कोटेदारों ने जिलाधिकारी से शिकायत की गयी है। यह शिकायत इण्डिया फेयर प्राइज शॉप डीलर फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी के नेतृत्व में की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में लिए गए बोरों का केवल आधा भुगतान ही कोटेदारों को मिला है। शेष आधी राशि अभी तक लंबित है, जिससे कई कोटेदार आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। इस वर्ष के गेहूं खरीद अभियान के तहत भी जनपद में कोटेदारों से बोरे लिए गए हैं। हालांकि, इन नए बोरों का भुगतान भी अब तक नहीं किया गया है, जिससे कोटेदारों की समस्या और बढ़ गई है। कोटेदारों ने जिलाधिकारी से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उन्होंने मांग की है कि लंबित भुगतान को जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।

धूमधाम से मनाया शहंशाह बाबा का उर्स

जौनपुर। नगर के चितरसारी के खास हौज पर स्थित टापू पर शहंशाह बाबा का सालाना उर्स पूरी अकीदत और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं का एक बड़ा समूह गाजे–बाजे और कव्वाली की धुनों के साथ बाबा के मजार पर पहुँचा। यहाँ अकीदतमंदों ने पूरी आस्था के साथ मजार शरीफ पर चादरपोशी की और मन्नतें मांगी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया।इस धार्मिक और कौमी एकता के प्रतीक आयोजन में राजनीति और समाज से जुड़े कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। समापन पर मुख्य आयोजक राजकुमार गुप्ता ने उर्स में आए सभी आगंतुकों, सहयोगियों और नगर परिषद प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

शांति व्यवस्था बनाए रखने का अभियान तेज

फतेहपुर। जनपद में कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शांति भंग की आशंका के मद्देनजर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 13 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 170ध126ध135 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार थाना सुल्तानपुर घोष क्षेत्र से 03, थाना खखरेरू से 02, थाना गाजीपुर से 04, थाना ललौली से 01 तथा थाना बकेवर से 03 व्यक्तियों के विरुद्ध शांति भंग की आशंका में कार्रवाई की गई। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 430 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 02 वाहनों से कुल 2,000 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस ने आमजन से यातायात नियमों का पालन करने तथा कानून–व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

बिजली फॉल्ट से लगी आग, गया पासवान का घर जलकर राख

खागा, फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदापुर गढ़ा गांव में देर शाम को बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से गया पासवान का पूरा घर जलकर खाक हो गया। घटना के बाद गांव में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घर में अचानक बिजली फॉल्ट होने के बाद चिंगारी निकली, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग तेजी से पूरे मकान में फैल गई। घर से धुआं और लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई तथा ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गई। आग की भयावहता के कारण घर में रखा घरेलू सामान, कपड़े, अनाज, बर्तन और अन्य आवश्यक वस्तुएं जलकर नष्ट हो गईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन परिवार को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि वर्षों की मेहनत से जुटाया गया सामान कुछ ही मिनटों में आग की भेंट चढ़ गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते दमकल वाहन पहुंच जाता तो नुकसान को कम किया जा सकता था। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मामले की जानकारी जुटाने में लगे हैं। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है तथा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

इलाहाबाद बैंक गोन्डा इम्प्लाइज क्रेडिट को –ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के प्रबंधक ने न्यायालय आदेश पर दर्ज कराया 69 पर मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में लगातार बैंकों मे जमा आमजनता के धन का गमन और हड़पने के मामले सामने आ रहे लगता है कि योगी सरकार में कानून का डर अब नहीं रह गया है।वहीं जन चर्चा की मानें तो आमजनता ही चहुंओर से पीसी जाती है।ऐसे ही एक मामला प्रकाश में आया है इलाहाबाद बैंक गोन्डा इम्प्लाइज क्रेडिट को –ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड–गोन्डा में उपभोक्ताओं का काफी एफडी और डेली वेसेज का रूपया जमा है अब इस समय उपभोक्ताओं को समय से उनका रूपया मांगनें पर भी नहीं मिल रहा है।इसी मामले को लेकर इंडियन बैंक इम्प्लाइज को–ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड में 3 करोड़ 60 लाख 16 हजार रुपये के गबन के आरोप में न्यायालय के आदेश पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज हुआ है।सोसाइटी के सचिव रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव की प्रार्थना पत्र पर दर्ज मुकदमा में समिति के तत्कालीन

सचिव,वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक, हेड कैसियर और प्रधान रोकड़िया समेत 69 पदाधिकारी–कर्मचारियों को आरोपी बनाया गया है। मुकदमा में समस्त कर्मचारीगण भी शामिल हैं।आरोप है कि वर्ष 1997 से 2020 तक इलाहाबाद बैंक प्रधान शाखा गोंडा में तैनात रहे इन लोगों ने पद का दुरुपयोग कर फर्जी लोन वितरण, दस्तावेजों में हेराफेरी और फर्जी नाम से खाते खोलकर समिति के धन की हेराफेरी की।शिकायतकर्ता के मुताबिक गबन की मूल रकम 3.60 करोड़ रुपये है।

ब्याज जोड़कर यह राशि 4 करोड़ 90 लाख 8 हजार 373 रुपये से अधिक हो जाती है।आरोप है कि गबन पकड़े जाने पर आरोपियों से रकम वापसी के लिए लिखित अनुबंध कराया गया था, लेकिन अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन कर कोई भी पैसा वापस नहीं किया गया। सचिव रविन्द्र श्रीवास्तव के मुताबिक कि आईजीआरएस और उच्च अधिकारियों से शिकायत के बाद कोई कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट के आदेश के बाद कोतवाली नगर पुलिस ने धोखाधड़ी के धाराओं में मुकदमा विवेचना शुरू कर दी है। नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया मामले में मुकदमा दर्ज कर बैंक के रजिस्टर,लोन फाइल और ऑडिट रिपोर्ट तलब की गई।

आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने महाराजा सुहेलदेव सभागार का किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। देवीपाटन मंडल की

आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने गुरुवार को आयुक्त कार्यालय परिसर में सौंदर्यीकरण एवं आधुनिकीकरण के उपरांत कार्यालय के वरिष्ठतम वैयक्तिक सहायक रक्षाराम वर्मा एवं पेशकार मो० हसीब से नव स्वरूप प्राप्त सभागार का उद्घाटन कराया।इस अवसर पर सभागार का नामकरण ष्महाराजा सुहेलदेव सभागारष् के रूप में किया गया।उद्घाटन के दौरान आयुक्त ने सभागार में कराए गए विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया।उन्होंने कहा कि महान राष्ट्रनायक महाराजा सुहेलदेव के नाम पर सभागार का नामकरण क्षेत्र की गौरवशाली ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने का प्रतीक है।यह सभागार प्रशासनिक बैठकों प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण आयोजनों के लिए एक आधुनिक और सुविधाजनक केंद्र के रूप में कार्य करेगा।सौंदर्यीकरण कार्य के अंतर्गत सभागार में आधुनिक साज–सज्जा उन्नत प्रकाश व्यवस्था आकर्षक आंतरिक सज्जा बेहतर बैठक व्यवस्था तथा आवश्यक तकनीकी सुविधाओं का विकास किया गया है।इससे सभागार की कार्यक्षमता एवं उपयोगिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।आयुक्त ने कहा कि कार्यालय परिसरों को स्वच्छ सुव्यवस्थित एवं आधुनिक बनाना सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।बेहतर कार्य वातावरण से प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होती है तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों के निर्वहन में सुविधा मिलती है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालय भवनों एवं परिसरों के रखरखाव स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर निरंतर ध्यान दिया जाए जिससे आमजन एवं कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।इस अवसर पर अपर आयुक्त (प्रशासन) मीनू राणा,अपर आयुक्त राजेश कुमार यादव एवं संयुक्त विकास आयुक्त राकेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य मंडल स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।सभी ने नव विकसित महाराजा सुहेलदेव सभागार की सराहना करते हुए इसे प्रशासनिक गतिविधियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

ललिया/बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस चौकी

मथुरा बाजार में आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के दोनों समुदायों के सैकड़ों सम्मानित नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में क्षेत्राधिकारी (सीओ) ललिया डी. के. श्रीवास्तव, एसडीएम सदर हेमंत कुमार गुप्ता, प्रभारी निरीक्षक ललिया मृत्युंजय सिंह तथा चौकी प्रभारी मथुरा प्रतीक पांडेय बाजार मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए सीओ ललिया ने कहा कि सभी लोग मोहर्रम का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाएं, किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाएं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि त्योहार में बाधा उत्पन्न करने या माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय सिंह ने बैठक में उपस्थित लोगों से त्योहार के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। बैठक में हसनैन खान, उस्मान शाह, वीरेंद्र पाठक, आलोक मिश्रा, नसीम खान, जाबिर खान, अरविन्द अवस्थी ललमनि यादव प्रधान गोड़वा अलोक तिवारी सहित दोनों समुदायों के सैकड़ों लोगों ने सहभागिता की।

धूमधाम से मरी माता मन्दिर पर हुआ पूजन और भण्डारा सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 12 मई

2026 को मरी माता मंदिर बाबा मेठिया गोन्डा पर 8वें विशाल भंडारे एवं जागरण का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अध्यक्ष संजय एवं बजरंग दल संयोजक आकाश सागर ने बताया कि यह कार्यक्रम विगत 8 वर्षों से लगातार भक्तों के सहयोग से किया किया जा रहा है।यहां पर हजारों की संख्या में भक्त आते हैं प्रसाद ग्रहण करते हैं एवं माता जी का दर्शन पूजन कर अपने मनोकामना पूर्ण होने हेतु प्रार्थना करते हैं और उनकी हर मनोकामना पूर्ण होती है कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राघवेंद्र मोहन उर्फ छोटू महंत,बजरंग दल विभाग संयोजक शारदा कांत पांडेय अवध अस्पताल के संस्थापक एन. एन. तिवारी की उपस्थिति में कार्यक्रम के दौरान माताजी का नयन पट खोला गया और आरती करके कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जिसमें माताजी के भजनों ने लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया और कानपुर से आए सांवरिया झांकी ग्रुप ने गणेश जी,हनुमान जी, शिव जी और काली जी का रूप धारण कर लोगों को भक्ति वातावरण में लीन कर दिया।

नारायणी नदी में नहाने गए बच्चों में से दो बच्चों की डूबने से मौत, शव बरामद

कुशीनगर जनपद के बरवा पट्टी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर बंधे ा के पास नारायणी नदी में नहाने गए बच्चों में से दो बच्चों के डूब जाने से क्षेत्र में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची मुकामी पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों एवं एन डी आर एफ की टीम की मदद से दोनों बच्चों के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार बीते 12 जून को लगभग 11.00 बजे बरवापट्टी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर बन्धा के पास नारायणी नदी में कुछ बच्चों के स्नान के दौरान दो बच्चो के न मिलने की सूचना मुकामी पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा स्थानीय गोताखोरों व एनडीआरएफ के माध्यम से दोनों बच्चों का तलाश किया गया। जिसके क्रम में एक बच्चा शिवम यादव पुत्र सुखराजन उम्र करीब 13 वर्ष निवासी रामपुर बरहन टोला भवानीपुर थाना बरवापट्टी के शव को कल देर शाम ही बरामद कर लिया गया है तथा दूसरे बच्चे का शव आज दूसरे दिन बरामद किया गया है। पुलिस ने दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक बच्चो के परिजनों का रो– रो बुरा हाल हो गया है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज जयंत यादव ने बताया कि बरवा पट्टी पुलिस को सूचना मिली कि लक्ष्मीपुर बंधे के सामने कुछ बच्चे नदी में नहाने रहे थे। जिसमें से दो बच्चे नदी में अत्यधिक पानी बहाव होने के चलते गहरे पानी में डूब गए है। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों व एन डी आर एफ के जवानों की मदद से दोनों बच्चो के शव को बरामद कर लिया है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

करंट लगने से 35 वर्षीय युवक की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के ललिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत

भगता के मजरा शंकर नगर में करंट लगने से एक 35 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था, जिसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के अनुसार शंकर नगर निवासी मोहम्मद शमीम उर्फ बाऊर (35) गांव के ही एक व्यक्ति के घर पर दरवाजा लगाने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक विद्युत करंट की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया। बताया जाता है कि शमीम मेहनत–मजदूरी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे और परिवार के एकमात्र सहारा थे। मृतक अपने पीछे दो छोटे बेटे, एक बेटी तथा वृद्ध माता–पिता को छोड़ गए हैं। परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं घटना के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। जिला संवाददाता दिनेश चौधरी

जिला मुख्यालय में जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए 29.06 करोड़ रूपए की स्टार्म वाटर ड्रेनेज परियोजना शासन को प्रेषित

कुशीनगर। जिला मुख्यालय रवीन्द्र नगर धूस स्थित कलेक्ट्रेट, विकास भवन, मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, मेडिकल कॉलेज सहित विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में वर्षाकाल के दौरान उत्पन्न होने वाली जल भराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु जिला प्रशासन द्वारा उत्तर प्रदेश शासन को 2906.16 लाख यानी 29.06 करोड़ रुपये की विस्तृत कार्ययोजना रिपोर्ट, डीपीआर स्वीकृति एवं धनराशि आवंटन हेतु प्रेषित की गई है। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के हवाले से जिला सूचना विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश जल निगम, नगरीय, कुशीनगर द्वारा तैयार की गई है। जिसके अंतर्गत जिला मुख्यालय क्षेत्र में आधुनिक स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम, वर्षा जल निकासी तंत्र का निर्माण प्रस्तावित है। परियोजना का उद्देश्य वर्षा के दौरान सड़कों, कार्यालय परिसरों एवं आवासीय क्षेत्रों में होने वाले जलभराव को समाप्त कर प्रभावी जल निकासी व्यवस्था स्थापित करना है। डीपीआर के अनुसार रवीन्द्र नगर धूस क्षेत्र जनपद का प्रमुख प्रशासनिक केन्द्र है।

जहाँ जिलाधिकारी कार्यालय, कलेक्ट्रेट, सीएमओ कार्यालय, विकास भवन तथा अन्य सरकारी संस्थान स्थित हैं। क्षेत्र की समतल भौगोलिक संरचना, अपेक्षाकृत उच्च भूजल स्तर तथा प्रतिवर्ष 1100 से 1400 मिमी तक होने वाली वर्षा के कारण मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिससे आमजन, कर्मचारियों एवं विभिन्न विभागों के कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्तमान क्षेत्र में उपलब्ध नालियों की क्षमता सीमित है तथा कई स्थानों पर निकासी की व्यवस्था अपर्याप्त है। भारी वर्षा के समय जल निकासी में बाधा उत्पन्न होने से सड़कें, कार्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र प्रभावित होते हैं। प्रस्तावित योजना के अंतर्गत वैज्ञानिक मानकों एवं सीपीएचईईओ के दिशा–निर्देशों के अनुरूप नवीन ड्रेनेज नेटवर्क विकसित किया जाएगा। जिससे वर्षा जल का त्वरित एवं सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित हो सके। परियोजना की कुल लागत 2906.16 लाख निर्धारित की गई है। जिसमें निर्माण कार्य, जीएसटी, श्रम उपकर, सेन्टेज तथा अन्य आवश्यक व्यय सम्मिलित हैं। योजना पूर्ण होने के उपरांत इसका संचालन एवं अनुरक्षण नगर पालिका परिषद पडरौना द्वारा किया जाएगा। जिला प्रशासन ने शासन को प्रेषित अपने पत्र में उल्लेख किया है कि यह परियोजना जनहित एवं प्रशासनिक कार्यों की सुगमता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके क्रियान्वयन से जिला मुख्यालय क्षेत्र में जलभराव की समस्या का प्रभावी समाधान होगा। शासकीय परिसरों की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी तथा नागरिकों को बेहतर शहरी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह प्रस्ताव राज्य सेक्टर कार्यक्रम की "सीवरेज एवं जल निकासी योजना" के अंतर्गत स्वीकृति एवं वित्तीय सहायता हेतु शासन को भेजा गया है।

भारत–नेपाल सीमा सोनौली में भीषण जाम से लोग परेशान, रामजानकी मंदिर चौराहे पर घंटों फंसे वाहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/नौतनवां। भारत–नेपाल सीमा सोनौली पर शनिवार

को भीषण जाम लगने से यात्रियों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रामजानकी मंदिर चौराहे से लेकर सीमा क्षेत्र तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और वाहन घंटों रेंगते नजर आए। जाम के कारण नेपाल आने–जाने वाले पर्यटक, मालवाहक वाहन और आम नागरिक बेहाल रहे। स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की मांग करते हुए प्रशासन की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई। सीमा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या और अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था जाम का प्रमुख कारण बताई जा रही है।

बीएलओ ने काटा वर्तमान प्रधान का नाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

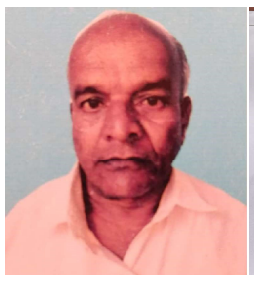

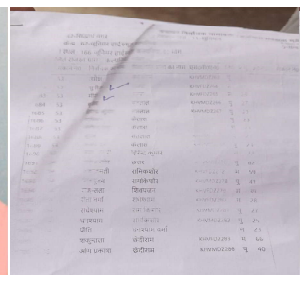

इटवा/सिद्धार्थनगर विकास खण्ड खुनियांव के ग्राम पंचायत कलेनिया के टोला नवेल में वोटर लिस्ट देख कर होश उड़ गये बीएलओ की लापरवाही से वर्तमान प्रधान सुनीता पत्नी सुरेश व मीरा पत्नी उमेश विश्वनाथ पुत्र गजाधर का नाम काट दिया गया ग्राम प्रधान सुनीता ने बताया कि बीएलओ रामानन्द वरुण ने पहले ही कह रहे थे कि मैं नाम वोटर लिस्ट से काट दूंगा ग्राम प्रधान सुनीता के ससुर सहजराम चौधरी ने बताया की बीएलओ रामानन्द वरुण ने पहले पैसे की डिमांड किया सहजराम ने बताया कि हमने बीएलओ को कुछ पैसा दे भी दिया फिर भी उसने वोटर लिस्ट से नाम गायब कर दिया इसी क्रम में ग्राम पंचायत पड़ती में भी बीएलओ ने पूर्व प्रधान व उनके दो बेटो का नाम काट दिया इसी तरह ग्राम पंचायत में लगभग तीन सौ बीस वोटरो का नाम गायब है जिसमें शीला देवी पूर्व प्रधान बेटा पंकज चतुर्वेदी दीपक चतुर्वेदी भाजपा बूथ अध्यक्ष राजकुमार चौबे ग्राम पंचायत सदस्य महेश कुमार आदि लगभग तीन सौ बीस लोगो का नाम काट दिया गया है। ग्राम पंचायत के वर्तमान प्रधान रामवृक्ष चतुर्वेदी के घर में नाम काट दिया गया है। सवाल यह है की आखिर बीएलओ की ऐही जिम्मेदारी दी गई थी की अपने रंजिश में ग्राम प्रधानो का नाम काट दिया जाऐ।

भाजपा जिला कार्यकर्ता मासिक बैठक संपन्न, संगठनात्मक कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर शनिवार को जिला कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक मौर्या ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा मौजूद रहे। बैठक में जिला अध्यक्ष दीपक मौर्या ने पार्टी के विभिन्न अभियानों की समीक्षा करते हुए सभी मंडलों का वृत्त लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों और कार्यक्रमों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। 12 साल विकास, विश्वास और जनकल्याण अभियान के जिला संयोजक मनोज मौर्या ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 14, 15 और 16 जून को सभी ब्लॉकों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र लोगों का पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जनगणना और योग शिविरों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि हरिचरण कुशवाहा ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्धारित प्रत्येक कार्यक्रम को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सफल बनाना सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है। उन्होंने बूथ स्तर के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने और आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग दिवस का आयोजन प्रत्येक बूथ पर किया जाना है और इसमें अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। बैठक में क्षेत्रीय पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी, पवन मिश्रा, फतेहबहादुर सिंह, फूलचंद जायसवाल, मधुसूदन अग्रहरि, अशोक अग्रहरि, विजयकांत चतुर्वेदी, बजरंगी वर्मा, उदयपाल वर्मा, विपिन सिंह, दीपेंद्र चौधरी, अरुणा मिश्रा, विनीता यादव, पूनम जायसवाल सहित सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मोर्चा अध्यक्ष एवं जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पेयजल सुरक्षा के लिए पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी : श्रीधर पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

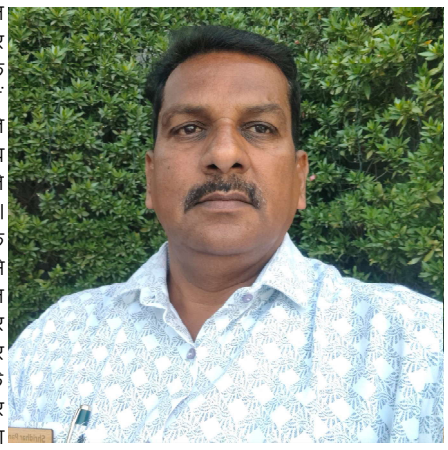

सिद्धार्थनगर। भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर के बीच जनपद सिद्धार्थनगर सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में संभावित पेयजल संकट को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं गौतम बुद्ध जागृति सोसाइटी के सचिव श्रीधर पाण्डेय ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से राष्ट्रीय पेयजल मिशन के तहत हर घर नल, हर घर जल योजना के माध्यम से घर–घर पेयजल पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इसके साथ पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गांवों में कुएं तेजी से समाप्त होते जा रहे हैं, छोटे देसी नल उखाड़ दिए गए हैं और बड़ी संख्या में इंडिया मार्क हैंडपंप अनुपयोगी हो चुके हैं। इसके चलते ग्रामीण समुदाय पूरी तरह केंद्रीकृत जलापूर्ति व्यवस्था पर निर्भर होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में तकनीकी खराबी, बिजली संकट, कर्मचारियों की हड़ताल अथवा अन्य कारणों से जलापूर्ति बाधित होने पर आमजन को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। श्री पाण्डेय ने कहा कि जल सुरक्षा का अर्थ केवल घर तक नल से पानी पहुंचाना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना है जो विपरीत परिस्थितियों में भी लोगों की जरूरतों को पूरा कर सके। इसके लिए कुओं का पुनर्जीवन, पारंपरिक हैंडपंपों का संरक्षण, तालाबों का जीर्णोद्धार, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण जैसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने आगाह किया कि जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और बढ़ती गर्मी के कारण भविष्य में जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए आधुनिक पेयजल व्यवस्थाओं के साथ–साथ वैकल्पिक जल स्रोतों को जीवित बनाए रखना समय की मांग है। अंत में उन्होंने जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, ग्राम पंचायतों और आम नागरिकों से जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और टिकाऊ जल प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, नल का जल सुविधा है, लेकिन जल सुरक्षा का विकल्प नहीं।

थाना समाधान दिवस में डीएम और एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के तहत शनिवार को थाना सिद्धार्थनगर में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। थाना समाधान दिवस में पहुंचे शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, वरासत और बंटवारे से संबंधित मामलों का मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष एवं सही ढंग से निस्तारण कराया जाए तथा किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने राजस्व निरीक्षकों एवं लेखपालों को निर्देश देते हुए कहा कि नाली विवाद, चकमार्ग विवाद, जमीन बंटवारा तथा अवैध कब्जा एवं पट्टा संबंधी प्रकरणों में शिकायतकर्ता की उपस्थिति में मौके पर जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल की सहायता लेकर विवादों का समाधान कराया जाए और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस में आए लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि छोटी–छोटी बातों को लेकर विवाद और लड़ाई–झगड़े से बचें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्राप्त सभी शिकायतों का राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर जाकर निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ़ राहुल सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर अजय सिंह, थानाध्यक्ष सिद्धार्थनगर, राजस्व निरीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खेसरहा पुलिस की कार्रवाई, शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका में 18 लोग गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। थाना खेसरहा पुलिस ने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए 18 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान के तहत की गई। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करते हुए महुआ, चन्दापुर, पेड़ारी बुजुर्ग एवं बनुहिया बुजुर्ग गांवों के 18 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में शैलेन्द्र विश्वकर्मा, पिंकू विश्वकर्मा, सुभावती विश्वकर्मा, शीलू विश्वकर्मा, हरहंगी विश्वकर्मा, बुद्धिराम विश्वकर्मा, सत्येन्द्र विश्वकर्मा, सुरेन्द्र विश्वकर्मा, सुमन विश्वकर्मा और उषा विश्वकर्मा निवासी ग्राम महुआ, थाना खेसरहा शामिल हैं। इसके अलावा दिलीप कुमार, उमेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार और राजू कुमार निवासी ग्राम चन्दापुर, पवन एवं दुर्गेश विश्वकर्मा निवासी ग्राम पेड़ारी बुजुर्ग तथा राहुल गुप्ता और निखिल राय निवासी ग्राम बनुहिया बुजुर्ग को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, सभी के विरुद्ध शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका के मद्देनजर निरोधात्मक कार्रवाई की गई। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी आरोपितों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक वीरेन्द्र सिंह यादव, उपनिरीक्षक उपेन्द्र कुमार राव, उपनिरीक्षक श्याम मोहन त्रिपाठी, उपनिरीक्षक मोहन सिंह, उपनिरीक्षक अंगद कुमार प्रेमी, हेड कांस्टेबल उमेश चन्द, कांस्टेबल आदित्य यादव, विशाल गुप्ता, चन्दन सिंह, अखिलेश कुमार तथा महिला कांस्टेबल नेहा तिवारी शामिल रहीं।

शिवनगर डिड़ई थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति 5 (प्प) अभियान के क्रम में थाना शिवनगर डिड़ई क्षेत्र के ग्राम करमा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी बृजेश सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान, नए आपराधिक कानूनों, साइबर अपराध से बचाव तथा एंटी रोमियो अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। टीम ने महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से सतर्क रहने के उपाय बताए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी कानूनों के प्रति जागरूक करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे आने का संदेश दिया। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान को ग्रामीण महिलाओं ने सराहा और पुलिस द्वारा दी गई जानकारियों को उपयोगी बताया।

खेसरहा में पुल निर्माण की धीमी रफ्तार से ग्रामीणों में नाराजगी, बरसात से पहले कार्य पूरा करने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत डुमरिया बुजुर्ग स्थित डुमरिया–दुलही मार्ग पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) द्वारा कराए जा रहे पुल निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, लेकिन निर्माण कार्य लंबे समय से कछुआ चाल से चल रहा है। स्थानीय निवासी अमित पांडेय, शिवेश पांडेय, मारकंडेय मिश्रा और गितेश मिश्रा ने बताया कि बरसात का मौसम निकट है। यदि समय रहते पुल निर्माण पूरा नहीं हुआ तो दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क प्रभावित हो सकता है। इससे सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, मरीजों और किसानों को होगी। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा कार्य रुक–रुक कर कराया जा रहा है, जिससे निर्धारित समय में पुल पूरा होने की उम्मीद कम दिखाई दे रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की है। वहीं निर्माण कार्य करा रहे ठेकेदार बेचन प्रसाद ने बताया कि पुल का निर्माण विभागीय मानकों और तकनीकी निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है। कुछ तकनीकी दिक्कतों और आवश्यक प्रक्रियाओं के कारण कार्य की गति प्रभावित हुई थी, लेकिन अब निर्माण में तेजी लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से समझौता किए बिना जल्द से जल्द पुल का निर्माण पूरा कराया जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि बरसात से पहले निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। लोगों ने लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों से हस्तक्षेप कर कार्य में तेजी लाने की मांग की है।

खेसरहा में सामुदायिक पुलिसिंग इकाई की गोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुभांदु सिंह के मार्गदर्शन में थाना खेसरहा परिसर में थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में सामुदायिक पुलिसिंग इकाई (सीपीयू) की गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, ग्राम प्रधानों, व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से संवाद स्थापित करते हुए क्षेत्र की कानून–व्यवस्था, सुरक्षा संबंधी समस्याओं तथा जनसहयोग के माध्यम से अपराध नियंत्रण के विषय में चर्चा की। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न अथवा अन्य आपराधिक घटनाओं की सूचना तत्काल पुलिस को दें। साथ ही सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने वाले भ्रामक एवं अफवाहपूर्ण संदेशों से बचने तथा आपसी सौहार्द बनाए रखने का आह्वान किया गया। गोष्ठी में सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत बनाने, पुलिस एवं जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जनसहभागिता के माध्यम से अपराधों की रोकथाम पर विशेष जोर दिया गया। उपस्थित लोगों ने भी अपने सुझाव एवं समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके शीघ्र निस्तारण का आश्वासन पुलिस प्रशासन द्वारा दिया गया।

यूरिया ज्यादा बिक्री करने पर 19 दुकानदारों से मांगा गया स्पष्टीकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। यूरिया की कालाबाजारी रोकने के लिए और बिना सीजन के ही ज्यादा खाद वितरण करने पर 19 दुकानदारों से स्पष्टीकरण मांगा है । इसमें एग्रीजंक्शन सहित 18 दुकानदारों से स्पष्टीकरण मांगा गया है । जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पांडेय ने बताया कि मार्च माह से लेकर सात जून तक खाद ज्यादा वितरण किया गया है इन विक्रेताओं से स्पष्टीकरण मांगा गया तबतक के लिए इन दुकानदारों पर खाद आवंटन नहीं किया जाएगा । स्पष्टीकरण मिलने के बाद से इन विक्रेताओं को पुनः खाद दी जाएगी । जिला कृषि अधिकारी ने साफ कहा कि जो भी विक्रेता है किसान से फॉर्मर आईडी और खतौनी के आधार पर ही खाद से जितना जिन किसानों के पास खेत है उसी के आधार पर ही खाद दिया जाय । यूरिया के साथ किसी भी प्रकार की टैगिंग न दे उचित मूल्य पर ही खाद वितरण करे कालाबाजारी करने वाले विक्रेताओं के ऊपर कार्यवाही की जाएगी।

खेसरहा में लाखों का आरआरसी सेंटर बना शोपीस, संचालन न होने से ग्रामीणों में नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। विकास खंड खेसरहा की ग्राम पंचायत ढोढौरा में स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से निर्मित आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) आज भी उपयोग के अभाव में शोपीस बना हुआ है। कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बनाए गए इस केंद्र का संचालन शुरू न होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि आरआरसी सेंटर के मुख्य प्रवेश द्वार पर अब तक गेट नहीं लगाया गया है। परिसर में कचरा संग्रहण और निस्तारण की समुचित व्यवस्था भी नहीं है। रखरखाव के अभाव में भवन उपेक्षित पड़ा हुआ है, जिससे लाखों रुपये की सरकारी धनराशि खर्च होने के बावजूद इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण उस्मान और जमील ने बताया कि केंद्र के निर्माण से गांव में साफ–सफाई और कचरा निस्तारण की समस्या दूर होने की उम्मीद जगी थी, लेकिन संचालन शुरू न होने से यह भवन केवल नाम मात्र का रह गया है। वहीं ब्रह्मानंद और पिंटू ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण यह परियोजना अपने उद्देश्य से भटक गई है और सरकारी धन की बर्बादी साबित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक आरआरसी सेंटर का नियमित संचालन शुरू नहीं होगा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी, तब तक स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्य पूरे नहीं हो सकेंगे। इस संबंध में ग्राम पंचायत प्रशासक जाबिर अली ने बताया कि आरआरसी सेंटर के संचालन की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर इसे शुरू कराया जाएगा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आरआरसी सेंटर को शीघ्र संचालित कराया जाए तथा गेट समेत अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि गांव में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू हो सके। स्लगरू ढोढौरा में लाखों का आरआरसी सेंटर बना शोपीस, संचालन शुरू कराने की मांग

सम्पादकीय

भारतीयों का गुस्सा तब कम हो जाता यदि अमेरिका मरने वाले नाविकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर देता। सही मायने में अमेरिका भारत को अपने कारोबारी हितों के साधन के रूप में तो इस्तेमाल करना चाहता है, लेकिन भारतीय आत्मसम्मान व संप्रभुता का मान नहीं रखता। भारत को बदलती अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप ही अपनी कूटनीति का निर्धारण करना चाहिए। हमें दुनिया...

अक्षम्य है भारतीय नाविकों का मारा जाना

खाड़ी में ईरान की नाकेबंदी की कवायद के दौरान अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों का मारा जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसको लेकर देश में गम व गुस्सा व्याप्त है। यूं तो कहा जाता रहा है कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और क्वॉड जैसे संगठनों में भूमिका निभा रहा है, तो फिर लगातार भारत के हितों पर कुठाराघात क्यों किया जा रहा है? भले ही अमेरिका ईरान की तेल निर्यात से होने वाली आय रोकने व युद्ध समाप्त करने हेतु समझौते के लिये दबाव बनाने हेतु ये आक्रामक नीति अपना रहा हो। लेकिन जिन देशों का युद्ध से कोई लेना–देना नहीं है, उनके नागरिकों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? हाल में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को अमेरिकी सेना द्वारा निशाना बनाया गया है। इसमें से, ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय चालक दल के तीन सदस्य मारे गये हैं। जिससे भारत व अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। वैसे औपचारिक विरोध दर्ज करते हुए भारत ने दिल्ली में एक अमेरिकी राजनयिक को तलब भी किया है। इसके बावजूद भारत के खिलाफ लगातार नकारात्मक रवैया दर्शाने वाले अमेरिका के खिलाफ सख्त स्टैंड लेने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद कि भारत क्वॉड में अमेरिका का साझेदार है। विडंबना यह भी है कि जो सूत्रधार संगठन के जरिये समुद्री आवाजाही को स्वतंत्र बनाने की बात करता है, वही अमेरिका इसमें बाधक बना है। भले ही अमेरिका इन जहाजों के प्रतिबंधित होने की बात कहे, या जहाज भारतीय न हों, लेकिन उनमें चालक दल के सदस्य तो भारतीय थे। इसकी जानकारी स्वाभाविक रूप से अमेरिका के खुफिया तंत्र को जरूर रही होगी। अमेरिका को सार्वजनिक रूप से भारतीय नाविकों के मारे जाने पर खेद जताना चाहिए। निश्चय ही भारत के निकट के समुद्री क्षेत्र में अमेरिका का निरंकुश व्यवहार निंदनीय है। कूटनीतिज्ञ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत को इस मुद्दे को सख्ती से अमेरिका के सामने उठाना चाहिए था। तमाम भारतीयों को इस मामले में विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया उदार लगती है। सवाल पूछा जा रहा है कि यदि तीन अमेरिकी नागरिक मारे जाते तो क्या अमेरिका चुप बैठता? कहा जा रहा है कि भारत का कड़ा विरोध सामने न आने के कारण होर्मुज स्ट्रेट के पास पलाऊ के झंडे वाले टैंकर पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय के मारे जाने की घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कम चर्चा हुई है। विडंबना है कि अमेरिकी सेना ने एक सप्ताह में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को निशाना बनाया। हालांकि, सोमवार को हुए हवाई हमले के बाद ओमानी अधिकारियों ने 24 भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया था। दरअसल, ट्रंप प्रशासन की निरंकुशता के चलते ही अमेरिका रवैया वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। आखिर अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्र में कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने का क्या औचित्य है? अमेरिका को यह अधिकार किसने दे दिया कि वह तटस्थ देशों के नागरिकों को निशाना बनाये? क्यों भारतीय नागरिक अमेरिका व ईरान के बीच जारी संघर्ष की कीमत चुकाएं? इस तरह का शक्ति प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सीधा उल्लंघन है तथा स्वतंत्र नौवहन के मार्ग में बाधक है। भारतीयों का गुस्सा तब कम हो जाता यदि अमेरिका मरने वाले नाविकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर देता। सही मायने में अमेरिका भारत को अपने कारोबारी हितों के साधन के रूप में तो इस्तेमाल करना चाहता है, लेकिन भारतीय आत्मसम्मान व संप्रभुता का मान नहीं रखता। भारत को बदलती अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप ही अपनी कूटनीति का निर्धारण करना चाहिए। हमें दुनिया को बताना चाहिए कि भारत एक उभरता बाजार ही नहीं है, बल्कि सबसे बड़ी आबादी वाला दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है। दुनिया को संदेश जाना चाहिए कि हम अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमाओं में अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम हैं। अब चाहे सामने अमेरिका हो या चीन जैसे कोई अन्य देश। भले ही अंतर्राष्ट्रीय सीमा में कई जहाज भारत के स्वामित्व वाले न हों, लेकिन चालक दलों में शामिल भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हर कीमत पर की जानी चाहिए।

महंगाई के दौर में देखो कितनी सस्ताई

सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ–कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम–सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए। इन दिनों में महंगाई का शोर इतना है जनाब कि बेचारी सस्ताई की बात कोई सुन ही नहीं रहा है। महंगाई के सामने सस्ताई का हाल वैसा बिल्कुल भी नहीं है, जैसे झूठ के सामने सच का हो जाता है या जैसे दबंग के सामने कमजोर का हो जाता है। सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ–कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम–सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए। अब यह जिद देखिए साहब कि जब यह कहा जा रहा है कि हमारे देश में चुनाव बड़े महंगे हो गए हैं और कि जब तक करोड़ों क्या, हजार करोड़ न हों, कोई चुनाव लड़ ही नहीं सकता। उसी दौर में बंगाल में मोदीजी ने दस रुपये की झालमुड़ी खाकर अपनी पार्टी को चुनाव जितवा दिया। इससे ज्यादा सस्ताई और क्या आएगी बताइए। रही भाजपा की बात, तो भैया चित्त भी उसकी और पट भी उसकी। करोड़ों–अरबों का चंदा भी उसका और दस रुपये की झालमुड़ी भी उसकी। अब आगे देखिए लोग कह रहे हैं कि जनाब यह ऐसा दौर है कि जब तक हजार–पांच सौ करोड़ अंटी में न हों, तब तक कोई राजनीतिक पार्टी बना ही नहीं सकता। लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में पार्टी बना रहे हैं। वहां एक दिन विधायक इकट्ठे होते हैं और घोषणा कर देते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और उनकी पार्टी बन भी जाती है। फिर एक दिन सांसद कहते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और पार्टी बन भी जाती है। जब इस दौर में हर कोई यह स्वीकार कर रहा है कि भैया घोड़ामंडी में सांसदों और विधायकों की कीमत सौ–पचास करोड़ से कम कतई नहीं होती, उस दौर में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में मिल रहे हैं। ले लो कोई भी ले लो, ममता दीदी को छोड़कर। सस्ताई की हालत तो यह है जनाब कि एक रुपये की टॉफी से भी सफल कूटनीति की जा सकती है। इसके लिए करोड़ों रुपये फूंकने की कतई ही जरूरत नहीं। बस शर्त यही है कि वह टॉफी मैलोडी हो और सामने मैलोनी हों। बल्कि इधर तो शिक्षक भी कौड़ियों के भाव मिलने लगे हैं। और शिक्षक भी कौन एकदम स्टार शिक्षक–आईएएस और आईपीएस बनाने वाले। जी यह बात कुछ पत्रकारों ने बताई। जाहिर है यह राज खोलने वाले पत्रकार भी कोई छोटे–मोटे स्टार नहीं है। इस पर शिक्षकों ने पलटकर पत्रकारों से कहा कि अगर हम कौड़ी के हैं तो तुम फूटी कौड़ी के हो। हालांकि, वे एक–दूसरे पर मुकदमे करोड़ों की मानहानि के ही कर रहे हैं। पर सस्ताई तो है न जी। नहीं?

इंडिया की बैठक से निकली नयी राह

फिर 2020 में लगे लॉकडाउन की ज्यादती भी जनता ने सह ली, क्योंकि कोरोना महामारी की चपेट में पूरी दुनिया आई हुई थी। लेकिन इस समय सरकार के फैसलों से जो हाहाकार मचा है, उसका कोई तार्किक कारण नरेन्द्र मोदी नहीं दे पा रहे हैं। उनके बारह सालों के शासन के बावजूद देश से न महंगाई गई, न बेरोजगारी खत्म हुई। बल्कि अब तो रोजाना तेल और गैस के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। सरकार इसके लिए...

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस यानी इंडिया की बैठक सोमवार आठ जून को दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें 25 दलों ने हिस्सा लिया। यह बैठक ऐसे वक्त हुई है जब मोदी सरकार अपने सबसे कठिन समय से गुजर रही है और साथ ही राहुल गांधी से बुरी तरह डरी हुई है। राहुल गांधी लगातार जनहित के मुद्दे सरकार के सामने उठा रहे हैं। लोकतंत्र और संविधान के साथ–साथ देश की शिक्षा से लेकर पर्यावरण तक सब कुछ बचाने के लिए आवाज उठा रहे हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी न राहुल गांधी की चेतावनियों को सुन रहे हैं, न जनता के दर्द को। ऐसे में राहुल गांधी ने बीते दिनों यह कहकर तहलका मचा दिया कि मोदी सरकार एक साल के भीतर चली जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने बाकायदा कहा कि उन्हें सरकारी एजेंसियों और संस्थाओं में बैठे लोग ही अपनी परेशानियां और सरकार की गलतियां बता रहे हैं। राहुल गांधी के मुताबिक सारा सिस्टम नरेन्द्र मोदी की पकड़ से बाहर हो चुका है। वैसे भी राहुल गांधी मोदी सरकार और भाजपा के हमलों के बावजूद झुकते या दबते नहीं हैं, तो उन पर शाब्दिक हमले होते ही रहते हैं। इसलिए इंडिया की बैठक से पहले ही दिल्ली के कई गोलचक्करों पर पोस्टर लग गए जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ शरद पवार, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और एम के स्टालिन के बयान लिखे गए थे। ऐसे पोस्टर किसने लगाए यह समझना कठिन नहीं है, क्योंकि राज्य और केंद्र दोनों में भाजपा की सरकार है, एनडीएमसी पर भी उसी का कब्जा है। तो भाजपा की

सहमति के बिना राहुल विरोधी पोस्टर नहीं लग सकते। इन पोस्टर्स पर किसी का नाम नहीं लिखा है, लेकिन इनसे यह जरूर जाहिर हो गया कि राहुल गांधी और इंडिया की एकजुटता दोनों से भाजपा डरी हुई है। गौरतलब है कि सोमवार की बैठक से पहले रविवार से ही देश भर के भाजपा नेताओं और मंत्रियों ने इंडिया गठबंधन के खिलाफ बयान देने शुरु कर दिए थे। बिहार में मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि सारे दल जल्द ही एनडीए में आ जाएंगे, तो बिहार के ही दूसरे मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि श्इंडियाश गठबंधन में जब तक राहुल गांधी रहेंगे तब तक कभी सफल नहीं हो सकता है। इसलिए विपक्ष के नेताओं को सोचने का वक्त आ गया है कि राहुल गांधी के साथ रहना है या अपने नाव को बचाना है। वहीं बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने इंडिया को स्वार्थ का गठबंधन कहा, तो उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दो साल पहले ही इंडिया को टूटा हुआ बता दिया और कहा कि लोग अब तीसरे विकल्प की तलाश में हैं। ऐसे ढेरों बयान भाजपा नेताओं के हैं, जो किसी भी तरह यह साबित करने पर तुले थे कि इंडिया का अस्तित्व है ही नहीं। लेकिन सोमवार को एक बैनर के तले जुटे 25 दलों ने यह बता दिया कि भाजपा को अब और ज्यादा डरने की जरूरत है। दरअसल सोमवार बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर पांच बिंदुओं का उल्लेख किया, जिस पर इंडिया काम करेगा, इनमें पहला मुद्दा है कि देश में वोट लूट को लेकर विपक्षी दल एक चिट्ठी देश के मुख्य न्यायाधीश को लिखेंगे, दूसरा मुद्दा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग है, क्योंकि उनके कार्यकाल में नीट–सीबीएसई परीक्षा को लेकर छात्रों के साथ विश्वासघात हुआ है। तीसरा मुद्दा केंद्र सरकार एक सर्वदलीय बैठक बुलाए और अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी समेत किसानों के मुद्दे पर चर्चा करे। चौथा मुद्दा है कि इंडिया के दल हर दो महीने में मिलेंगे और इंडिया गठबंधन की अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी और 5वां मुद्दा यह तय हुआ कि संसद में सभी दलों के बीच समन्वय जारी रहेगा, आगामी मानसून सत्र के दौरान हर दिन सुबह नेता प्रतिपक्ष के दफ्तर में बैठक होगी। सभी दल इन बिंदुओं पर सहमत हुए हैं। सोमवार की बैठक और इसमें आगे बढ़ने की रणनीति दोनों के जरिए 25 विपक्षी नेताओं ने यह बता दिया है कि देश को विपक्षमुक्त बनाने का भाजपा का सपना पूरा नहीं होने वाला, न ही विपक्ष पिछली बार की तरह बिखरा और कमजोर है। इंडिया गठबंधन की बैठक में डीएमके क्यों नहीं शामिल हुआ, आम आदमी पार्टी ने क्यों किनारा किया, यही सवाल भाजपा समर्थित मीडिया सोमवार को दिन भर उठाता रहा, क्योंकि उसे भी यह दिख रहा था कि विधानसभा चुनावों में आपस में ही लड़ने या कई मुद्दों पर असहमति रखने वाले दल भी एक मंच पर भाजपा के खिलाफ आ रहे हैं। यही भाजपा का सबसे बड़ा डर है। दरअसल अब देश का माहौल बदल रहा है और नरेन्द्र मोदी के गलत फैसलों का खामियाजा भुगतती जनता भी अब आवाज उठाने लगी है। 2016 में नोटबंदी के वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता संभाले दो साल ही हुए थे, इसलिए जनता ने उन पर भरोसा भी किया और नोटबंदी की गड़बड़ी के बावजूद हालात सुधारने के लिए वक्त दिया।

ऐसी स्थिति में 'होम मेकर' की अवधारणा को केवल किसी एक लिंग से जोड़कर देखना न तो सामाजिक यथार्थ के अनुरूप है और न ही न्याय के व्यापक सि)ांतों के। घरेलू श्रम का मूल्य उसके स्वरूप और योगदान में निहित है, न कि उसे करने वाले व्यक्ति के लिंग में। संभवतः यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में 'गृहिणी' के प्रश्न पर विचार करते हुए भी घरेलू देखभाल और ...

राष्ट्र निर्माण की अदृश्य आधारशिला का मूल्यांकन

यदि किसी परिवार की आय उसके आर्थिक आधार को सुदृढ़ करती है, तो घर के भीतर किया जाने वाला श्रम उस आधार को स्थायित्व प्रदान करता है। दोनों में से किसी एक के अभाव में परिवार की संरचना पूर्ण नहीं हो सकती। इसलिए घरेलू श्रम को केवल एक पारिवारिक दायित्व मानना उसके वास्तविक महत्व को कम करके आंकना होगा। हाल ही में देश की सर्वोच्च अदालत ने 'शिशुपाल उर्फ शिशराम एवं अन्य बनाम सुरजीत एवं अन्य' मामले में एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए भारतीय समाज के समक्ष उपस्थित एक ऐसे प्रश्न को पुनः केंद्र में ला खड़ा किया है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त गंभीरता से विचार नहीं किया गया। न्यायालय ने गृहिणियों को 'राष्ट्र निर्माता' की संज्ञा देते हुए कहा कि उनके द्वारा किया जाने वाला घरेलू श्रम केवल परिवार के संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। न्यायालय ने निर्देश देते हुए कहा कि 'जब कोई मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, उच्च न्यायालय अथवा यह न्यायालय किसी ऐसे मामले पर विचार कर रहा हो, जिसमें एक गृहिणी की मृत्यु हुई हो, तब मुआवजे की गणना में गृहिणियों के साथ होने वाली उस अंतर्निहित असमानता को दूर करने के लिए, जो उनकी अनुमानित आय के अत्यंत रूढ़िवादी आकलन के कारण उत्पन्न होती है, 'घरेलू देखभाल की हानि' के अंतर्गत 30,000 रुपये प्रतिमाह की एक समेकित राशि जोड़ी जानी चाहिए।'

न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि इस राशि में प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर संचयी रूप से 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। प्रथम दृष्टया यह निर्णय मोटर दुर्घटना मुआवजा दावों में क्षतिपूर्ति निर्धारण से संबंधित एक सामान्य न्यायिक आदेश प्रतीत हो सकता है, किन्तु वास्तव में इसका महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह निर्णय केवल 30,000 रुपये प्रतिमाह की राशि निर्धारित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस दृष्टिकोण में परिवर्तन का प्रतीक है, जिसके माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय ने घरेलू श्रम के सामाजिक और आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया है। लंबे समय तक भारतीय समाज में घर के भीतर किए जाने वाले कार्यों को प्रेम, कर्तव्य और पारिवारिक दायित्व के रूप में देखा जाता रहा, जबकि उनके आर्थिक महत्व पर अपेक्षित गंभीरता से विचार नहीं किया गया। निःसंदेह, किसी भी परिवार का सुचारु संचालन केवल आर्थिक आय पर निर्भर नहीं करता। भोजन की व्यवस्था, बच्चों का पालन–पोषण, वृद्धजनों की देखभाल, परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं का समन्वय, घर का प्रबंधन तथा भावनात्मक संतुलन बनाए रखने जैसे असंख्य कार्य प्रतिदिन किए जाते हैं, जिनके लिए कोई वेतन निर्धारित नहीं होता। विडंबना यह है कि जिन कार्यों के बिना परिवार की संरचना की कल्पना भी नहीं की जा सकती, वही कार्य लंबे समय तक आर्थिक मूल्यांकन की प्रक्रिया से बाहर रहे। उक्त निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा कि 'यह विडंबनापूर्ण है कि गृहिणी को परिवार के कमाने वाले सदस्यों पर आश्रित बताया जाता है, जबकि वास्तविकता यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था और सुचारु संचालन काफी हद तक गृहिणी पर ही निर्भर करता है।' वास्तव में यह टिप्पणी भारतीय समाज में लंबे समय से प्रचलित उस धारणा को चुनौती देती है, जिसके अनुसार आर्थिक आय अर्जित करने वाला व्यक्ति ही परिवार का मुख्य योगदानकर्ता माना जाता है। यदि किसी परिवार की आय उसके आर्थिक आधार को सुदृढ़ करती है, तो घर के भीतर किया जाने वाला श्रम उस आधार को स्थायित्व प्रदान करता है। दोनों में से किसी एक के अभाव में परिवार की संरचना पूर्ण नहीं हो सकती। इसलिए घरेलू श्रम को केवल एक पारिवारिक दायित्व मानना उसके वास्तविक महत्व को कम करके आंकना होगा। न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी रेखांकित किया कि 'गृहिणियों का योगदान केवल बच्चों के जन्म और पालन–पोषण तक सीमित नहीं है। वे उस मानव पूंजी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिस पर किसी भी राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक प्रगति आधारित होती है।' यह निर्विवादित है कि किसी भी समाज का भविष्य केवल उसके उद्योगों, संस्थानों अथवा आर्थिक नीतियों से निर्मित नहीं होता, बल्कि उन मानवीय मूल्यों, संस्कारों और क्षमताओं से भी निर्मित होता है, जिनका विकास परिवार के भीतर होता है। वर्तमान निर्णय का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने क्षतिपूर्ति निर्धारण के संबंध में विकसित हो रहे न्यायशास्त्र को भी आगे बढ़ाया है। इस संदर्भ में न्यायालय ने 'नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड बनाम प्रणय सेठी एवं अन्य' के ऐतिहासिक निर्णय का उल्लेख किया, जिसमें क्षतिपूर्ति निर्धारण के लिए कुछ पारंपरिक मदों, जैसे संपत्ति की हानि, साहचर्य की हानि तथा अंत्येष्टि व्यय को मान्यता प्रदान की गई थी। 'शिशुपाल उर्फ शिशराम एवं अन्य बनाम सुरजीत एवं अन्य' मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने इस न्यायिक दृष्टिकोण का विस्तार करते हुए 'घरेलू देखभाल की हानि' को भी एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में स्वीकार किया है। यह परिवर्तन केवल विधिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। किसी गृहिणी की मृत्यु के पश्चात परिवार को केवल भावनात्मक आघात ही नहीं पहुंचता, बल्कि वर्षों से संचालित हो रही देखभाल, मार्गदर्शन, संरक्षण और घरेलू प्रबंधन की वह व्यवस्था भी प्रभावित होती है, जिसका कोई प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य निर्धारित नहीं किया जाता। न्यायालय ने वस्तुतः इसी अदृश्य हानि को पहचानने और उसका न्यायसंगत मूल्यांकन करने का प्रयास किया है। इस निर्णय का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष वह व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने अपनाया है। न्यायालय ने स्वीकार किया कि महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू एवं देखभाल संबंधी कार्य का आर्थिक मूल्य भारत की सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 15 से 17 प्रतिशत के समतुल्य आंका गया है।

कोई बात नहीं, सिर्फ हमला...ईरान ने ठुकराया ट्रंप का ऑफर

ईरान ने अमेरिका की डील को ठुकरा दिया है। ट्रंप एक तरफ व्हाइट हाउस में मीटिंग कर रहे हैं और पत्रकारों से कह रहे हैं कि उनकी ईरान के साथ डील हो गई है। ईरान अमेरिका की सारी शर्तों को मानने पर राजी भी हो गया है। दूसरी तरफ ईरान ने साफ कह दिया है कि उसने अमेरिका की ना तो कोई शर्त मानी है और ना ही अमेरिका और ईरान की कोई डील हुई है। यानी कि हमले जरूर थम चुके हैं लेकिन युद्ध अभी तक थमा है या नहीं। इसको लेकर अभी भी कंफ्यूजन बाकी है। ट्रंप का दावा है कि अमेरिकी सैनिकों का एक छोटा समूह कल ही ईरान में घुसकर पूरे ईरान पर कब्जा कर सकता है। साथ में यहां पर यह भी कहा गया है कि अगर मैं चाहूं तो यानी कि यह बात डॉनल्ड ट्रंप कह रहे हैं। एक और ईरान इंटरनेशनल इंग्लिश की खबर है। इसमें ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका आज रात ईरान पर और भी बड़े हमले और शक्तिशाली बम हमले करेगा और कहा कि अमेरिका अभी भी तेहरान से बातचीत कर रहा है। लेकिन उनकी प्राथमिकता ईरान के तेल व्यापार केंद्र खर्ग द्वीप पर कब्जा करना है। यानी कि ईरान में कब्जा करने और ईरान में जमीन पर सैनिक उतारने, बड़ा हमला करने की धमकी ट्रंप ने ईरान को एक रात पहले दे दी थी। कुछ ही घंटों के बाद भारत के समय के मुताबिक कहें तो रात से दिन हुआ और खबर ये आ गई कि डॉनल्ड ट्रंप ने अब हमला करने का जो अपना प्लान था वो टाल दिया है।

व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया और कहा कि डॉन्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिका ने ईरान पर अपने हमलों को रोक दिया है क्योंकि ईरान ने अमेरिका की डील को मान लिया है। स्वीकार कर लिया है। अमेरिका का दावा है और डॉनल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान ने अमेरिका की सारी शर्तों को मान लिया है जो ईरान

के आगे उन्होंने रखी थी। इसमें ईरान के न्यूक्लियर हथियार एनरिच यूरेनियम से जुड़ी हुई शर्तें हैं जो ईरान ने मान ली है। ये अमेरिका का दावा है। लेकिन इसी दावे पर इसी खबर पर अब ईरान की ओर से जवाब आ चुका है। द हॉर्मोज लेटर के हवाले से खबर है जिसमें यह लिखा है कि ईरान के विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के इस नए दावे को सिरे से खारिज कर दिया है कि ईरान में सर्वोच्च नेता समेत सभी ने समझौते को मंजूरी दे दी है। द हॉर्मुज लेटर के हवाले से एक खबर है जिसमें लिखा है कि मंत्रालय का कहना है कि किसी ने भी इस समझौते को स्वीकार नहीं किया है और कोई समझौता हुआ ही नहीं है। आगे कहा गया है कि किसी भी समझौते के लिए अमेरिका को ईरान की सभी मांगों को मानना होगा जिसमें यह शर्त भी शामिल है कि वह समृद्ध यूरेनियम नहीं सौंपेगा या परमाणु रियायतें नहीं देगा। स्टेट ऑफ हॉर्मोस स्थाई रूप से ईरानी प्रबंधन के अधीन रहेगा और 24 अरब डॉलर जो उनकी रुकी हुई धनराशि है वह भी ईरान को दे दी जाएगी। ईरान का कहना है कि अगर वह दबाव में झुकता तो वह एक साल पहले ही झुक गया होता ना कि लगातार अमेरिका की बमबारी के बाद। साथ ही ईरानी प्रवक्ता ने ट्रंप के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि समझौते पर साइन होने पर स्टेट ऑफ फॉर्मस फिर से खुल जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह ईरानी प्राधिकरण के अधीन आता है और बंद है और सुरक्षित आवागमन संभव नहीं है। आगे ईरान ने ट्रंप के इस नए दावे को भी खारिज किया है कि उन्होंने ईरान पर आज रात के हमलों को रद्द करने के लिए समझौता किया है। ईरान ने इसको बेबुनियाद बताते हुए कहा कि ऐसा कोई समझौता हुआ ही नहीं है और ट्रंप के सभी शब्दों को उसी तरीके से नजरअंदाज किया जाना चाहिए जैसे कि उन्होंने पिछले दो महीनों में 38 बार समझौते की घोषणा करी थी। तस्नीम न्यूज के मुताबिक एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी ने चौनल 12 को बताया कि उन्हें किसी भी समझौते के होने की जानकारी नहीं है। यह बात यह खबर अब ईरान की ओर से कही जा रही है कि उनके और अमेरिका के बीच कोई समझौता हुआ नहीं है और ना ही अमेरिका की जो डील है उस पर ईरान राजी हुआ है।

पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन सफर खत्म, यामागुची ने सेमीफाइनल में हराया

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु की 2026 सीजन में अपना पहला बड़ा खिताब जीतने की कोशिश जारी रही, लेकिन शनिवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में उन्हें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची से हार का सामना करना पड़ा। Olympics-com के अनुसार, BWF सुपर 500 टूर्नामेंट में 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी को दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी यामागुची से 22–20, 21–12 से हार का सामना करना पड़ा।

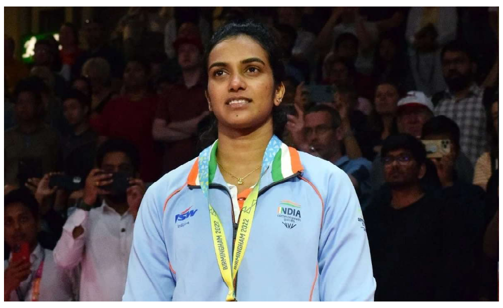

यह 2026 BWF वर्ल्ड टूर पर सिंधु का दूसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले, वह जनवरी में मलेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल तक पहुँची थीं, जहाँ उन्हें चीन की वांग झियी ने हराया था। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट का BWF सर्किट पर सबसे हालिया खिताब 2024 में लखनऊ में हुए सैयद मोदी इंटरनेशनल में आया। कांटे की टक्कर वाले शुरुआती गेम में सिंधु ने मजबूत शुरुआत की और मिड–गेम ब्रेक तक थोड़ी बढ़त बनाए रखी। ब्रेक के बाद यामागुची ने लगातार छह पॉइंट जीतकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली, लेकिन सिंधु ने वापसी करते हुए फिर से मोमेंटम हासिल किया और एक बार फिर आगे निकल गईं।

मैच आखिरी क्षण तक रोमांचक बना रहा, सिंधु ने 20–19 पर मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन अंततः पहला सेट गंवा दिया। दूसरे सेट में यामागुची ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और लगातार सात प्वाइंट जीतकर 13–6 की बढ़त हासिल कर ली और मैच पर अपना नियंत्रण बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही सिंधु का टूर्नामेंट से सफर समाप्त हो गया और ऑस्ट्रेलियन ओपन से सभी भारतीय खिलाड़ी बाहर हो गए।

पुरुष युगल में भारत की उम्मीदें इससे पहले ही खत्म हो चुकी थीं जब एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुनन ने अपने क्वार्टर फाइनल मैच से संन्यास ले लिया, जबकि कोई भी भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाया।

मेजबान यूएसए ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का किया धमाकेदार आगाज, पराग्वे को 4–1 से रौंदा

मेजबान अमेरिका ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को पराग्वे पर 4–1 से जीत के साथ अपने थ्थ। वर्ल्ड कप 2026 अभियान की जबरदस्त शुरुआत की। इस जीत में फोलारिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक का शानदार प्रदर्शन अहम रहा। बालोगुन ने दो गोल किए, जबकि पुलिसिक ने शानदार खेल दिखायाय उन्होंने लगातार पैराग्वे के डिफेंस को परेशान किया और कई अटैकिंग मूव्स में अहम भूमिका निभाई, जिससे मेजबान टीम ने शुरुआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। यूएसए ने 7वें मिनट में शुरुआती बढ़त बना ली, जब पुलिसिक ने वेस्टन मैकेनी को एक शानदार पास देकर डिफेंस

को भेद दियाय इस मूव के आखिर में डेमियन बोबाडिला ने गेंद को अपनी ही नेट में डाल दिया। इसके बाद 31वें मिनट में बालोगुन ने पुलिसिक के सटीक क्रॉस को गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। फॉरवर्ड खिलाड़ी ने स्टॉपेज टाइम (908वें मिनट) में अपना दूसरा गोल किया। उन्होंने दो डिफेंडर्स को छकाया और अपनी टीम की आसान जीत पक्की कर दीय उनकी टीम पूरे मैच में हावी रही। पैराग्वे ने 73वें मिनट में मॉरिसियो मैगलहेस के जरिए गोल का अंतर कुछ कम किया, लेकिन वे मजबूत अमेरिकी टीम के खिलाफ लगातार वापसी करने में नाकाम रहे। हेड कोच मॉरिसियो पोचेटिनो ने हाफ–टाइम में पुलिसिक को आराम देने का फैसला किया और उनकी जगह सेबेस्टियन बरहाल्टर को मैदान पर उतारा, क्योंकि यूएसए आगे के लंबे टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम को मैनेज कर रहा था। मैच के आखिर में, जियो रेना ने दूर से एक शानदार शॉट लगाकर स्कोर को और बेहतर बनायाय उन्होंने टॉप कॉर्नर में गोल करके मेजबान टीम की शानदार शुरुआती जीत पर मुहर लगा दी। ग्रुप के एक और मैच में, कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1–1 से ड्रॉ के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जिसमें काइल लारिन ने 78वें मिनट में बराबरी का गोल करके टीम को एक पॉइंट दिलाया। अगले मैच में यूनाइटेड स्टेट्स का सामना सिएटल में अपने ग्रुप के अगले प्रतिद्वंद्वी से होगा, जबकि कनाडा वैंकूवर में कतर के खिलाफ खेलेगा।

टी20 विश्व कप में भारत–पाक की भिड़ंत, खिताब की ओर पहला कदम बढ़ाने उतरेगी टीम इंडिया की महिला खिलाड़ी

हर विभाग में संतुलित भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के पहले मैच में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ सलामी बल्लेबाजों स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से अच्छी शुरूआत की उम्मीद होगी। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतने वाली हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत की नजरें लगातार दूसरे आईसीसी खिताब पर लगी हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड भी बेहतरीन रहा है। भारत ने टी20 प्रारूप में पाकिस्तान के खिलाफ 13 मैच जीते जबकि तीन में पराजय का सामना किया है।

पिछली बार 2024 में दुबई में टी20 विश्व कप में दोनों टीमों का सामना हुआ था जिसमें भारत छह विकेट से जीता था। उसके बाद से सफेद गेंद के क्रिकेट में भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता देखी गई है। भारत ने पहली बार वनडे पिश्व कप जीता और अब लगभग वही टीम टी20 खिताब के लिये जोर आजमाइश करेगी। टूर्नामेंट से पहले भारत ने आस्ट्रेलिया को 2 . 1 से और इंग्लैंड को 3 . 2 से हराया जबकि श्रीलंका पर 5 . 0 से जीत दर्ज की। उसे हालांकि दक्षिण अफ्रीका (4 . 1) और इंग्लैंड (2 . 1) ने उनकी धरती पर हुई श्रृंखलाओं में हराया। भारत के प्रदर्शन की कुंजी सलामी बल्लेबाजों मंधाना और शेफाली से मिलने वाली शुरूआत है।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ फरवरी में 82 रन बनाने के बाद मंधाना ने अगले छह मैचों में 13, 12, 37, 0, 32 और आठ रन बनाये हैं। शेफाली ने जोहानिसबर्ग में 64 रन बनाने के बाद अगले पांच मैचों में 9, 4, 2, 22 और 11 रन बनाये। फातिमा सना की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम के खिलाफ उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सना जबर्दस्त फॉर्म में है और पिछले महीने करांची में जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंद में टी20 अर्धशतक बनाया था। भारतीय गेंदबाजों को उनके बल्ले पर अंकुश लगाने के लिये काफी मेहनत करनी होगी खासकर जब अमनजोत कौर और काशवी गौतम चोट के कारण बाहर हैं।

हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में वापसी की जो मध्यक्रम के लिये अच्छा संकेत है। जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष और भारती फुलमाली पर भी रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। पाकिस्तान के पास बायें हाथ की स्पिनर नशरा संधू के रूप में उम्दा गेंदबाज है। विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाये थे लेकिन उन्हें मौजूदा स्ट्राइक रेट 99 को बेहतर करना होगा। हरफनमौला दीप्ति शर्मा को बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देना होगा हालांकि पिचें उनकी आफ स्पिन गेंदबाजी के अनुकूल नहीं होंगी।

टीमें : भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव पाकिस्तान : फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, एमन फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जुबीन, मुनीबा अली, तुबा हसन, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधू, डायना बेग, तस्मिया रूबाब। मैच का समय रू शाम सात बजे से।

कोच जसपाल राणा के निधन से टूटीं मनु भाकर, बोलीं– ये अपूरणीय क्षति है

ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने शनिवार को अपने कोच जसपाल राणा के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक जसपाल के मार्गदर्शन में मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे।

राणा का हृदय संबंधी विकारों के कारण 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया जिससे भारतीय निशानेबाजी जगत सकते में है। वह भारतीय पिस्टल टीम के हाई परफॉर्मेंस कोच थे। सोशल मीडिया पर हिन्दी में दो शब्द की पोस्ट में मनु ने अपनी और राणा की तीन तस्वीरें साझा करते हुए लिखा ,'' अपूरणीय क्षति।'' मनु देहरादून में राष्ट्रीय शिविर में भाग ले रही है। राणा का पार्थिव शरीर जब देहरादून लाया गया तो वह मौजूद थी और अपने आंसूओं पर काबू नहीं रख सकीं। उन्हें शुक्रवार की शाम राणा के पिता एन एस राणा और अन्य परिजनों के साथ बैठे देखा गया।

यूरोप की छाती पर चढ़कर जयशंकर ने कही ऐसी बात, फिनलैंड भी बोला– भारत ने सही किया

रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत को फिनलैंड से अप्रत्याशित समर्थन मिला। फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन ने कहा कि नई दिल्ली ने यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा तय की गई तेल की कीमत की सीमा (प्राइस कैप) के दायरे में रहकर ही काम किया है।

फिनलैंड में श्कुलतारंता टॉक्स्स के दौरान एक पैनल चर्चा में बोलते हुए फिनिश मंत्री ने कहा कि पश्चिमी देशों की प्राइस कैप व्यवस्था का मकसद कभी भी देशों को रूस से कच्चा तेल खरीदने से पूरी तरह रोकना नहीं था। इस चर्चा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वाल्टोनन और यूएई की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसेबेह के साथ हिस्सा लिया था। वाल्टोनन ने कहा कि भारत के बचाव में यह कहा जा सकता है कि उसने प्राइस कैप के तहत तेल खरीदा है। यही मकसद था।

उन्होंने आगे कहा कि जब हमने तेल की कीमतों पर सीमा (प्राइस कैप) तय की, तो हमने दुनिया को रूसी तेल खरीदने से नहीं रोका। इसका मकसद तेल बाजार में रुकावट डालना नहीं था, बल्कि यह पक्का करना था कि तेल की सप्लाई जारी रहे और रूस इससे बहुत ज्यादा मुनाफा न कमा सके। यह बयान तब आया जब जयशंकर ने भारत की ऊर्जा नीति का मजबूती से बचाव किया और यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से नई दिल्ली द्वारा लगातार रूसी तेल खरीदने पर हो रही आलोचना को खारिज कर दिया।

टूट गया भारत के सब्र का बांध, आधी रात फोन घुमाकर जयशंकर ने अमेरिका को डांटा

पश्चिम एशिया आज उस ज्वालामुखी की तरह है जो फट चुका है। चारों तरफ बारूद की गंध है। आसमान से बम बरस रहे हैं और समंदर की लहरें अब लाल हो रही हैं। लेकिन इस युद्ध की आग में जब बेगुनाह भारतीयों की जान चली जाती है तो दिल्ली का सिंहासन डोल जाता है। होर्मुज के समंदर में अमेरिका ने वो कायराना हरकत की जिसने भारत के सब्र का बांध तोड़ दिया। भारत के तीन जांबाज नाविकों की जान चली गई और वजह महाशक्ति होने का अहंकार। ये दिन इतिहास में अमेरिका की उस सशस्त्र डकैती के नाम पर दर्ज होगा जिसने तीन भारतीय परिवारों को उम्र भर का दर्द दे दिया। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती है। अमेरिका ने सोचा था कि वह झूठ बोलेगा और भारत मान लेगा।

ट्रंप ने ईरान पर उंगली उठाई। लेकिन भारत ने उसी उंगली को मरोड़कर अमेरिका को आईना दिखा दिया और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आधी रात को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को फोन पर जो सुनाया उसे सुनकर वाशिंगटन के गलियारों में सन्नाटा पसर गया। ओमान की खाड़ी तेल टैंकर एम्टी सिंट्रे बेलो शांति से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ रहा था। इस जहाज पर कोई लड़ाकू विमान नहीं था। कोई मिसाइलें नहीं थी। इस पर सवार थे 24 भारतीय नागरिक जो अपने घर बार से दूर समंदर के सीने पर मेहनत कर रहे थे। तभी अचानक अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों ने

इस कमर्शियल जहाज को घेर लिया। बिना किसी चेतावनी के, बिना किसी ठोस वजह के अमेरिका ने इस शांतिपूर्ण जहाज पर हमला कर दिया। गोलों की उस बरसात में जहाज दहल उठा और हमारे 21 भारतीय भाइयों ने मौत को करीब से देखा और किसी तरह अपनी जान बचाई। लेकिन तीन भारतीयों की जान इस अमेरिकी सनक में भेंट चढ़ गई। डेक कैडेड आदित्य शर्मा इंजन फिटर शिवंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश यह सिर्फ नाम नहीं यह भारत के वह बेटे हैं जिनके प्राण अमेरिका की गलतफहमी और अहंकार ने छीन लिए। इन तीन भारतीयों की जान जाने की खबर जैसे ही भारत पहुंची, देश का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। अब देखिए अमेरिका की चालाकी।

हमला खुद किया, भारतीयों की जान खुद ली लेकिन दुनिया के सामने आकर क्या बोले। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा कर दिया कि यह हमला ईरान के ड्रोंस ने किया है। ट्रंप ने कोशिश की कि वह भारत को बरगला लिया जाए और इस पूरे कांड का ठीकरा ईरान पर फोड़ दिया जाए। अमेरिका चाहता था कि भारत इस पर ईरान से लड़ने लगे और अमेरिका पर्दे के पीछे अपनी इस बड़ी गलती को छिपा ले। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप शायद भूल गए कि सामने मोदी का भारत है। भारत ने उनकी बातों पर भरोसा करने की बजाय अपनी खुद की हाई लेवल जांच शुरू की। सेटेलाइट डाटा खंगाले गए। बचे हुए नाविकों के बयान लिए गए और वह सच सामने आया जिसने अमेरिका की पूरी प्लानिंग को मिट्टी में मिला दिया। भारत ने कंफर्म किया कि हमला किसी ईरानी ड्रोन ने नहीं बल्कि अमेरिकी नौसेना के जहाज से हुआ है। अमेरिका की चाल पकड़ी गई और अब भारत का स्टैंड क्लियर एंड लाउड था। हमला तुमने किया है और हिसाब भी तुम ही दोगे। जब पानी सिर से ऊपर चला गया तब हरकत में आए भारत के चाणक्यनी एस जयशंकर उन्होंने ना केवल अमेरिकी राजदूत को दिल्ली में तलब किया बल्कि सीधे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को फोन लगाया। अब बताया जा रहा है कि यह बातचीत किसी कूटनीतिक मुलाकात जैसी बिल्कुल नहीं थी। जयशंकर साहब ने रूबियो को फोन पर बुरी तरह हड़काया।

मोदी सरकार के 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और विकास की नई इबारत लिखी गई : सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन, विश्वास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, गरीब कल्याण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में 5.37 करोड़ से अधिक तथा उत्तर प्रदेश में 62 लाख से अधिक परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 81.35 करोड़ से अधिक तथा प्रदेश के 15 करोड़ से अधिक लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा

है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत देश में 43.52 करोड़ से अधिक और उत्तर प्रदेश में 9.57 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से देश के 9.8 करोड़ तथा प्रदेश के 3.12 करोड़ से अधिक किसान परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। सांसद जगदंबिका पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत देशभर में 58.3 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में यह संख्या 10 करोड़ से अधिक है। वहीं उज्ज्वला योजना के माध्यम से देश में 10.58 करोड़ तथा प्रदेश में 1.86 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत देश में 15. 9 करोड़ से अधिक ग्रामीण शौचालयों का निर्माण हुआ है, जबकि उत्तर प्रदेश में 2.6 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालय बनाए गए हैं। जल जीवन मिशन के तहत देश में 16 करोड़ से अधिक और उत्तर प्रदेश में 2.5 करोड़ से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है। महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए सांसद ने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से देश की 3 करोड़ से अधिक महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनी हैं। वहीं मुद्रा योजना के तहत 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित कर स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया गया है। आधारभूत संरचना के क्षेत्र की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 91 हजार किलोमीटर से बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक हो गई है। इसके अलावा 3,644 किलोमीटर से अधिक एक्सप्रेसवे और तीव्र गति गलियारे विकसित किए गए हैं तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 4.11 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है। रेलवे के आधुनिकीकरण का उल्लेख करते हुए सांसद ने कहा कि देश में 162 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं, रेलवे का लगभग 99 प्रतिशत नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उड़ान योजना के माध्यम से देश में हवाई संपर्क का विस्तार हुआ है। परिचालित हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 165 हो गई है तथा 1.64 करोड़ से अधिक यात्रियों को सस्ती हवाई यात्रा का लाभ मिला है। प्रेस वार्ता के दौरान सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसी संकल्प के साथ सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और विश्वास के आधार पर देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है।

जनपद न्यायालय परिसर की दुकानों एवं वाहन स्टैंड की नीलामी 19 जून को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माननीय जनपद न्यायाधीश, सिद्धार्थनगर के आदेशानुसार दीवानी न्यायालय सिद्धार्थनगर के मुख्यालय परिसर स्थित विभिन्न दुकानों एवं वाहन स्टैंड की नीलामी 19 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। अध्यक्ष नीलामी समिति एवं विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट श्री त्रिभुवन नाथ ने बताया कि कैंटीन, फोटो कॉपी एवं फोटोग्राफी दुकान संख्या–01, जनरल स्टोर एवं बेकरी की दुकान, पान की दुकान तथा वाहन स्टैंड का ठेका/नीलामी 19 जून 2026 को अपराह्न 1रू30 बजे जनपद न्यायालय के सभागार में संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि जो भी इच्छुक व्यक्ति उक्त नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक औपचारिकताओं के साथ उपस्थित होकर नियमानुसार नीलामी में प्रतिभाग कर सकते हैं। नीलामी समिति ने इच्छुक अभ्यर्थियों से समय से उपस्थित होकर प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

शिवनगर डिड़ई सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत बनाने के लिए जागरूकता गोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुभांदु सिंह के मार्गदर्शन में थाना शिवनगर डिड़ई के प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह द्वारा कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट (सीपीयू) के साथ जन–जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, वरिष्ठ नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने समुदाय और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधों की रोकथाम में आमजन की सहभागिता बढ़ाने पर बल दिया। थाना प्रभारी बृजेश सिंह ने उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा से संबंधित मामलों अथवा अन्य आपराधिक घटनाओं की सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखना है। गोष्ठी में उपस्थित लोगों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए क्षेत्र की समस्याओं और सुझावों को भी साझा किया। पुलिस अधिकारियों ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

गुरू गोविन्द सिंह चौक पर स्थापित हुआ खण्डाः उमड़ी आस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शनिवार को वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह से कंपनीबाग चौराहा गूंज उठा। पंजाब से आया गुरु गोविंद सिंह का पवित्र 'खण्डा' गुरू गोविन्द सिंह चौक पर स्थापित हुआ । सड़क चौड़ीकरण के दौरान कम्पनीबाग स्थित गुरू गोविन्द सिंह चौक को हटाना पड़ा था। जिलाधिकारी .त्तिका ज्योत्सना, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती के प्रयास से पुनः इसका भव्य निर्माण कराया गया। शनिवार को सिख पंथ का शौर्य, न्याय और एकता का प्रतीक सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के नाम पर बना कंपनी बाग चौक 'बोले सो निहाल' के जयकारों से गूंज उठा। सड़क चौड़ीकरण के दौरान हटाए गए गुरु गोविंद सिंह चौक को नए स्वरूप में पुर्नस्थापित कर दिया गया । पंजाब के मोगा से चलकर आया सिखों का पवित्र प्रतीक चिन्ह 'खंडा' पूरे सम्मान के साथ चौक पर स्थापित किया गया। फूल–मालाओं और पुष्प वर्षा से हुए भव्य स्वागत ने माहौल को भावुक कर दिया। पूर्वान्चल सिख बेलफेयर सोसायटी के संस्थापक सरदार जगबीर सिंह ने बताया कि खंडा सिख धर्म का सर्वोच्च धार्मिक प्रतीक है। इसके बीच में दोधारी तलवार 'खंडा' सत्य और न्याय का प्रतीक है। इसके चारों ओर 'चक्कर' ईश्वर की एकता और अनंत काल को दर्शाता है। दोनों ओर की दो '.पाणें मीरी–पीरी यानी आध्यात्मिक और राजनीतिक शक्ति का संदेश देती हैं। खंडा त्याग, शौर्य और कमजोरों की रक्षा का संकल्प दिलाता है। गुरु गोविंद सिंह ने इसे पंथ की पहचान बनाया था। ज्ञात रहे कि सड़क चौड़ीकरण के चलते गुरु गोविंद सिंह चौक को तोड़ना पड़ा था, उस समय अपर जिला अधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने आश्वासन दिया था कि चौक को पहले से ज्यादा चौड़ा और भव्य बनाया जाएगा। सरदार जगबीर सिंह के अथक प्रयास और पीडब्ल्यूडी के जेई अभिषेक सिंह के सराहनीय योगदान से यह वादा पूरा हुआ है। नए चौक को आधुनिक तरीके से डिजाइन किया जा रहा है, जिसकी शान अब यह खंडा बनेगा। जैसे ही क्रेन से खंडा को चौक पर उतारा गया, उपस्थित लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के नारों से पूरा कंपनी बाग क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं की आंखों में खुशी और गर्व साफ झलक रहा था। इस ऐतिहासिक मौके पर मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती को गुरूद्वारा गुरू सिंह सभा द्वारा सिरोपाव भेंटकर सम्मानित किया गया। मुख्य रूप से सरदार जगबीर सिंह, ज्ञानी प्रदीप सिंह, हरभजन सिंह, जोगिंदर सिंह, कुलदीप सिंह, प्रभजोत सिंह, इंद्रपाल सिंह, हरि सिंह बबलू, राजेश चित्रगुप्त, अखिलेश शुक्ला, तरनजोत सिंह, ओम प्रकाश अरोड़ा, जय प्रकाश अरोड़ा, अमृतपाल सिंह, सनम सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक–दूसरे को बधाई दी और प्रशासन का आभार जताया। स्थानीय लोगों ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह चौक बस्ती की पहचान है। खण्डा की स्थापना से शहर की सांस्कृतिक विरासत और मजबूत हुई है।

सरकारी आवास में प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई हेतु शासन को भेजी गई संस्तुति

कुशीनगर। जनता दर्शन में प्राप्त एक शिकायत के क्रम में संयुक्त जिला चिकित्सालय, कुशीनगर में तैनात चिकित्साधिकारी डॉ० दीन मोहम्मद के संबंध में कराई गई संयुक्त जांच की आख्या के आधार पर जिलाधिकारी कुशीनगर द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को आवश्यक विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु संस्तुति प्रेषित की गई है।

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि शिकायत के परीक्षण हेतु उप जिलाधिकारी पडरौना, क्षेत्राधिकारी पडरौना, औषधि निरीक्षक तथा प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, संयुक्त जिला चिकित्सालय की संयुक्त टीम द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान चिकित्साधिकारी के सरकारी आवास पर विभिन्न प्रकार की औषधियां पाई गईं। जिनके संबंध में कोई वैध अभिलेख अथवा प्राधिकार पत्र प्रस्तुत नहीं किया जा सका। बरामद औषधियों को औषधि निरीक्षक द्वारा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभिरक्षा में लेते हुए पृथक विधिक कार्यवाही प्रारंभ की गई है। संयुक्त जांच आख्या के अनुसार एक मरीज के अभिभावक द्वारा लिखित रूप में यह भी अवगत कराया गया कि संबंधित चिकित्सक द्वारा आवास पर उपचार किया जाता था तथा दवाएं उपलब्ध कराई जाती थीं। उपलब्ध अभिलेखों एवं जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हुआ कि सरकारी आवास से निजी चिकित्सकीय गतिविधियां संचालित किए जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रकरण अत्यंत गंभीर प्रकृति का है तथा यदि आरोप सत्य पाए जाते हैं तो यह सरकारी सेवक आचरण नियमावली एवं चिकित्सा सेवा की मर्यादाओं के प्रतिकूल होगा। इसी दृष्टिगत महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश को विस्तृत विभागीय जांच कराते हुए नियमानुसार आवश्यक अनुशासनात्मक एवं दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सेवा अनुशासन से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा प्राप्त शिकायतों पर निष्पक्ष एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

होमगार्ड ने कर लिया नाबदान के रास्ते पर कब्जा: पीड़ित महिलाओं ने लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नाबदान के पानी के रास्ते पर होमगार्ड और उसके परिवार के द्वारा कब्जा कर नाली पाट लेने के कारण लोग परेशान हैं और विरोध करने पर मारपीट के साथ ही धमकियां दी जाती है। इस सम्बन्ध में शनिवार को वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के जिनवा निवासिनी तारा देवी पत्नी रामतीरथ और सुनीता पत्नी साजू ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और सम्बन्धित उच्चाधिकारियों को पत्र देकर नाबदान का पानी खोलवाने और दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाई की मांग किया है। उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में तारा देवी और सुनीता ने कहा है कि उनके के पट्टीदारान जयराम पुत्र रामलाल, रंजना पत्नी जयराम, चंदा पुत्री जयराम, एवं भरत पुत्र जयराम दबंगई के बल

पर उनके घर से निकलने वाले नाबदान के पानी के रास्ते पर जबरन कब्जा कर नाली को पाट दिया गया है जिससे रास्ता बाधित होने के कारण बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। पत्र में कहा गया है कि गत 14 मार्च को जब उसने नाबदान के सफाई का प्रयास किया तो उक्त लोगों ने भद्दी–भद्दी गाली एवं मारने के लिये दौड़ा लिये एवं जयराम ने सुनीता की लज्जा भंग करने की कोशिश किया । जयराम पुत्र रामलाल पेशे से होमगार्ड होने के कारण अपनी वर्दी की धौंस देता रहता है । वह आये दिन फर्जी मुकदमें में फंसवा देने की धमकी देता है। इस सम्बन्ध में कई बार थाने, उपजिलाधिकारी एवं मुख्यमंत्री को पत्र के द्वारा घटना की जानकारी दी गयी परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई । इससे उनका मनोबल बढ गया है। गत 16 मई को पुनः नाबदान के पानी को निकालने की कोशिश की गई तो उक्त लोग मार पीट पर उतारू हो गये। राजपति पत्नी रामछबीले के हाथ पर घर में घुस कर मारा जिसके कारण चोटें आयी और चार टाकें लगे हैं। इस कारण से उनका परिवार काफी डरा हुआ है । तारा देवी और सुनीता ने मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई कर बंद नाली को खोलवाया जाय और उनके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

प्रबुद्ध वर्ग जनसंपर्क अभियान के तहत रवि अग्रवाल ने गिनाई केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार

के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पार्टी द्वारा चलाए जा रहे प्रबुद्ध वर्ग जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद शोहरतगढ़ के अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायियों एवं प्रबुद्ध जनों से शिष्टाचार भेंट कर संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की पिछले 12 वर्षों की जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत, आधारभूत संरचना के विकास तथा राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रबुद्ध जनों को अंगवस्त्र, साहित्य एवं भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियों से संबंधित पत्रिकाएं भेंट की गईं। उपस्थित लोगों ने केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं और विकास कार्यों की सराहना करते हुए अपने सुझाव भी साझा किए। रवि अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर चलाया जा रहा है तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाया जाएगा।

बस ट्रक की भिड़ंत में दोनों चालक सहित 7 घायल, 4 की हालत गंभीर, मेडिकल कालेज रेफर

कुशीनगर,। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र के बघौच मोड़ के पास बस व ट्रक के बीच हुए भिड़ंत में सात व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मुकामी पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सीएचसी फाजिलनगर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने चार लोगों की हालत गंभीर होते मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं तीन यात्रियों को हल्के चोट लगे होने के चलते इलाज कर घर भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार पटहेरवा थाना क्षेत्र के बघौच मोड़ के पास 12 जून को देर शाम एक बस और एक ट्रक के बीच भिड़ंत होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सूचना पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल बस ड्राइवर नौशाद पुत्र दिलशाद उम्र 27 वर्ष निवासी नहर थाना मसूरी जनपद हापुड़, बस कंडक्टर यासीन पुत्र अब्बास खान उम्र 28 वर्ष निवासी सइटई थाना बहादुरगढ़ जनपद हापुड़ तथा ट्रक ड्राइवर सियाराम पुत्र शिव प्रसाद उम्र 29 वर्ष निवासी मझगवां थाना चकरघट्टा जनपद चंदौली, ट्रक कंडक्टर प्रदीप पुत्र रामविलास उम्र 28 वर्ष निवासी जम्हूनी थाना चक्करघंटा जनपद चंदौली को स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। जहां बस चालक व कंडक्टर एवं ट्रक चालक व खलासी की हालत गंभीर होते देख चिकित्सकों ने कुशीनगर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। वहीं बस में सवार अन्य तीन यात्रियों को सामान्य चोटे आई थी। जिनका इलाज कर सकुशल घर भेज दिया गया है।

नीट यूजी पुनर्परीक्षा : उत्तराखंड में फ्री बस सफर का ऐलान

नीट यूजी की पुनर्परीक्षा देने जा रहे उत्तराखंड के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने एक बड़ा राहत भरा फैसला लिया है। परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में किसी भी छात्र को पैसों की तंगी न झेलनी पड़े, इसके लिए उत्तराखंड रोडवेज की साधारण बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला 21 जून को होने वाले नीट–यूजी री–एग्जाम के मद्देनजर लिया गया है। परिवहन निगम के मुताबिक, उत्तराखंड के स्थायी निवासी अभ्यर्थी 19 जून से लेकर 23 जून तक रोडवेज की साधारण बसों में बिना किराए के सफर कर सकेंगे। सरकार के इस कदम से दूरदराज के पहाड़ी और ग्रामीण इलाकों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने वाले छात्रों को बहुत बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

अल्ट्राटेक सीमेंट ने ग्रामीण युवाओं के लिए निःशुल्क बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण शुरू किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अल्ट्राटेक सीमेंट वर्क्स ने सीएसआर कार्यक्रम सतत् आजीविका अंतर्गत डाला स्थित स्किल ट्रेनिंग सेंटर में ग्रामीण युवाओं के लिए 3 माह के बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर के दिशा–निर्देशन में विभागाध्यक्ष एडमिन पीयूष शुक्ला व ई.आर प्रमुख लखन त्रिवेदी एवं एचआर प्रमुख विजयालक्ष्मी शुक्ला द्वारा फीता काटकर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान विभागाध्यक्ष एडमिन श्री शुक्ला ने कहा कि आज के तकनीकी युग में डिजिटल साक्षरता हर युवा के लिए अनिवार्य है। यह प्रशिक्षण उन्हें आत्मनिर्भर बनने और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करेगा। विभागाध्यक्ष ई. आर ने कंप्यूटर प्रशिक्षण को समय की मांग बताते हुए कहा कि यह कोर्स युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान देकर उन्हें स्वरोजगार और नौकरी दोनों के लिए सक्षम बनाएगा। विभागाध्यक्ष एच.आर ने इस अवसर पर संबोधन में कहा कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। हमारा फोकस तकनीकी कौशल के साथ–साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण पर है, ताकि युवा वास्तविक कार्यस्थल की चुनौतियों के लिए तैयार हो सके।सीएसआर प्रमुख निशा तिर्की ने बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट सतत् आजीविका के तहत प्रतिवर्ष ग्रामीण युवाओं के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम चलाता है। यह 3 माह का कंप्यूटर प्रशिक्षण विशेष रूप से डिजिटल रूप से ग्रामीण युवाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमें विश्वास है कि यह कोर्स उनके कौशल विकास का मजबूत आधार बनेगा। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सीएसआर अधिकारी रोहित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान एम.एस. आफिस, इंटरनेट का उपयोग और बेसिक कंप्यूटर आपरेशन सिखाए जाएंगे।इस दौरान ओम प्रकाश , रितेश आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी के 55वें जन्मोत्सव पर आयोजित हुआ हिन्दू स्वाभिमान सम्मेलन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के 55वें जन्मोत्सव के अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ की सोनभद्र जिला इकाई द्वारा शुक्रवार को चुर्क स्थित होटल ग्रैंड अविनाश में भव्य हिन्दू स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में सनातन धर्म, हिन्दू एकता तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने संगठन की मजबूती और समाज में सांस्कृतिक चेतना के प्रसार पर बल दिया। मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री मनोज प्रजापति ने कार्यकर्ताओं को संगठन के उद्देश्यों और जनजागरण अभियानों को गांव–गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रिंट मीडिया) सत्य प्रकाश पाण्डेय ने किया। सम्मेलन में मातृ शक्ति की प्रदेश महामंत्री संगीता मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन सिंह पटेल, क्षेत्रीय महामंत्री राजू सिंह प्रधान, विंध्याचल मंडल प्रभारी प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष नूतन सिंह तथा क्षेत्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर किरण नंद गिरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास कार्यों और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की सराहना किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिलाध्यक्ष विजय यादव के नेतृत्व में जिला इकाई के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। व्यवस्था की जिम्मेदारी राजेंद्र सिंह पटेल और .ष्णकांत दुबे ने संभाली। सम्मेलन में सांस्कृतिक मंच की जिलाध्यक्ष मीनाक्षी सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, ओबरा नगर अध्यक्ष सर्वेश दुबे, नांदकेश्वर खरवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं मातृ शक्ति की सदस्याएं उपस्थित रहीं। सम्मेलन के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं प्रदेश की निरंतर प्रगति की कामना किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाज जागरण के संकल्प के साथ हुआ।

आदिवासी बस्ती में बिजली पानी की समस्या विधायक ने लिखा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खंड करमा के ग्राम पंचायत भरकवाह स्थित कोल बस्ती के लोग आज भी बिजली और पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। जबकि उस बस्ती के सामने से बिजली के खंभे और तार पंचायत भवन तक गये है। समाजसेवी एवं भाजपा नेता विशाल सिंह ने कोल बस्ती मे पहुंच कर बिजली पानी का हाल जाना और बस्ती के लोंगों की समस्याओं से घोरावल विधायक डाक्टर अनिल कुमार मौर्य को अवगत कराया। विधायक ने बिजली विभाग के अधिशासी अभियन्ता से बात करते हुए बिजली का अविलम्ब कनेक्शन उपलब्ध कराये जाने के लिए पत्र लिखा है। गांव के राम विलास, मिठाई लाल, मुन्नीलाल, हिंगुलाल, बबलू आदि लोगों का कहना है कि तार तो लगा है परन्तु ट्रांसफार्मर बस्तीके समीप नही लगा है। 80की आबादी वाले इस बस्ती के लोग तीन सौ मीटर दूरी से पानी लाकर पीते हैं। उनका कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत बस्ती में पाइप तो लगाया गया है लेकिन पानी अभी नहीं मिल पा रहा है।ग्रामीणों ने बिजली एवं पानी की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

गांधी मैदान में लगा योग शिविर

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को स्थानीय गांधी मैदान में योग शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योग गुरु झलल्न शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ धनराज सिंह ने किया। श्री सिंह ने अपने संबोधन में योग साधकों को योग के महत्व, उसकी आवश्यकता एवं दैनिक जीवन में उसके लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ एवं संतुलित रखने की वैज्ञानिक पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति अनेक रोगों से बच सकता है तथा मानसिक तनाव पर नियंत्रण प्राप्त कर सकता है। वही आनन्द पटेल श्दयालु ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग समाज को स्वस्थ, जागरूक और सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।अध्यक्षता कर रहे योग गुरु श्री शर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है। योग व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी लोगों से प्रतिदिन योग करने का लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राम सिंह यादव, राजन शर्मा, विनोद कुमार चौहान, लाल बहादुर यादव, बिहारी लाल, राम बाबू सोनकर, कुमारी चंचला चौबे एवं कुमारी श्रीजी राय आदिलोग मौजूद रहे।

आरओ प्लांट में लाखों का खेल, प्रधान–सचिव बेखौफ, प्रशासन खामोश

कुशीनगर। जनपद के विशुन पुरा विकास खण्ड के मनिकौरा गांव में 15 वें वित्त आयोग से लगाए गये आरओ प्लांट में वित्तीय अनियमितता का मामला अब सिर्फ एक ग्राम पंचायत तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे पंचायत राज तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा कर रहा है। हैरत की बात यह है कि अधूरे कार्य पर लाखों रुपये के भुगतान, निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर आरोप और जिम्मेदारों के गैरजिम्मेदाराना बयानों के सार्वजनिक होने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है, जो कई सवाल को जन्म दे रहा है।

बताते चलें कि बीते दिनो मीडिया ने प्रमुखता के साथ यह उजागर किया था कि करीब 4. 50 लाख रुपये की परियोजना में 3.66 लाख रुपये से अधिक का भुगतान हो चुका है, जबकि कार्य उस समय तक अधूरा बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए थे। उम्मीद थी कि मामला सामने आने के बाद जिम्मेदार विभाग व प्रशासनिक अमला तत्काल संज्ञान लेंगे, लेकिन एक पखवाड़ा बीतने के बाद भी विभाग व प्रशासन की चुप्पी ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या सरकारी धन के बंदरबांट में सवाल पूछना गुनाह है?। पूरे मामले में सबसे अधिक चर्चा उन बयानों की है, जो ग्राम प्रधान नंदलाल साहनी और ग्राम सचिव राजकिशोर राय ने सवाल पूछे जाने पर दिए थे। मीडिया ने जब प्रधान नंदलाल साहनी से पूछा था कि कार्य पूरा होने से पहले भुगतान कैसे हो गया, तो उनका जवाब था "अधिकारी पूछेंगे तो हम उनसे बात कर लेंगे।" यानी सवालों का जवाब नियम–कानून से नहीं, बल्कि ष्बात कर लेनेष में तलाशा जा रहा है। दूसरी ओर ग्राम सचिव राजकिशोर राय ने तो पारदर्शिता की सारी सीमाएं लांघते हुए कथित तौर पर कहा "बजट से क्या मतलब, आप अपनी मंशा बताइए।" सवाल यह है कि गांव के विकास के लिए आए सरकारी धन का हिसाब पूछना यदि गलत है तो फिर सही क्या है? क्या पंचायतों में व्यय होने वाला ध नराशि ग्राम प्रधान व सेक्रटरी के जेब से खर्च हो रहा है? क्या ग्राम पंचायत अब जवाबदेही से ऊपर हो चुकी है?।

खबर के बाद भी कार्रवाई नहीं, क्या सब कुछ 'मैनेज' है?–– ग्रामीणों का कहना है कि यदि आरोप निराधार हैं तो प्रशासन जांच कराकर दूध का दूध और पानी का पानी स्पष्ट कर दे। लेकिन खबर सामने आने के बाद भी जांच न होना लोगों के मन में संदेह पैदा कर रहा है। गांव में अब खुलकर चर्चा होने लगी है कि क्या मामले को दबा दिया गया? क्या प्रधान व सचिव इतने प्रभावशाली है कि 15 वें वित्त आयोग की योजनाओं में निर्माण कार्य पूर्ण होने से पहले भुगतान व धन का बंदरबांट कर मामले को रफा–दफा कर दिया। क्या प्रभाव और पहुंच के दम पर जांच को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है? क्योंकि सामान्य मामलों में छोटी शिकायतों पर भी जांच बैठ जाती है, लेकिन यहां लाखों रुपये के भुगतान पर सवाल उठने के बावजूद जिम्मेदार विभाग की चुप्पी समझ से परे है। जानकारों की माने तो 15वे वित्त आयोग की योजनाओं में आम तौर पर कार्य पूर्ण होने के बाद तकनीकी सत्यापन, माप पुस्तिका (एमबी), जियो टैगिंग, फोटोग्राफी और अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। इसके बाद भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ती है। लेकिन मनिकौरा में अधूरे कार्य के बीच लाखों रुपये के भुगतान ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि यह रनिंग पेमेंट है तो उसकी स्वीकृति किस आधार पर दी गई? कितना कार्य पूर्ण माना गया? किस अधिकारी ने सत्यापन किया? इन सवालों के जवाब अभी तक सामने नहीं आए हैं।

आरओ प्लांट सवालो के घेरे में –– जिस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना था, वह अब खुद सवालों के घेरे में खड़ी है। गांव के लोगों का कहना है कि आज तक उन्हें यह नहीं बताया गया कि कुल बजट कितना है, कितना भुगतान हुआ है और कार्य कब पूरा होगा।बडा सवाल यह है कि आखिर इतनी भुगतान की जल्दी क्या थी? किस अधिकारी ने कार्य का सत्यापन किया? कहना ना होगा कि किसी भी भ्रष्टाचार के आरोप में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका जांच और पारदर्शिता की होती है। लेकिन मनिकौरा प्रकरण में अब तक न तो किसी अधिकारी का बयान सामने आया और न ही किसी जांच की सूचना। यही कारण है कि लोगों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि कहीं न कहीं किसी स्तर पर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

उठ रहे सवाल–– मनिकौरा आरओ प्लांट घोटाला मे प्रधान और सचिव की भूमिका संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। यही वजह है कि अधूरे कार्य पर लाखों रुपये का भुगतान किस आधार पर हुआ?: भुगतान से पहले किसने गुणवत्ता और प्रगति का सत्यापन किया? प्रधान और सचिव के गैरजिम्मेदाराना बयानों को क्या अधिकारियों ने संज्ञान लिया? मीडिया द्वारा मामले को उजागर करने के बाद भी जांच क्यों नहीं शुरू हुई? जैसे तमाम सवाल यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

घोरावल पुलिस द्वारा दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के अभियोग से संबंधित एक नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के कुशल पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक घोरावल बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना घोरावल पुलिस द्वारा दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट से संबंधित घटना का सफल अनावरण करते हुए एक वांछित अभियुक्त को गिरतार किया गया है। 12.06.2026 को वादिनी द्वारा थाना घोरावल पर सूचना दी गयी कि उसकी नाबालिग पुत्री के साथ उसके पिता द्वारा दुष्कर्म किया गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना घोरावल पर मु0अ0सं0 130/2026 धारा 64(2)(एफ), 65(1) बीएनएस व 5छ/6 पॉक्सो एक्ट पंजी.त किया गया। प्रकरण की गंभीरता को .ष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा अभियुक्त की शीघ्र गिरतारी हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के क्रम में थाना घोरावल पुलिस द्वारा सक्रिय सुरागरसी एवं पतारसी करते हुए 13.06.2026 को मुखबिर खास की सूचना पर मुक्खा मोड़ तिराहा, घोरावल के पास से मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त रामविलास पुत्र कल्लू को समय 08रू35 बजे गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय रवाना किया गया।

एनटीपीसी रिहंद में 15 दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का भव्य समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद द्वारा टाउनशिप की महिलाओं एवं बच्चों के लिए आयोजित 15 दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का भव्य समापन इन्द्रधनुष प्रेक्षागृह, मूवी क्लब में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री संजय असाटी, कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख (रिहंद) तथा श्रीमती नीलू असाटी, अध्यक्षा, वर्तिका महिला मण्डल समिति ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, प्रभावी संवाद कौशल, रचनात्मकता एवं समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना था। इस दौरान प्रतिभागियों को सीखने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा आत्म–अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट मंच प्रदान किया गया। समापन समारोह में प्रतिभागियों ने नटराज स्तुति, तुम ही हो माता, फुटबॉल डांस, वुमेनिया, स्टार परफॉर्मर तथा सामाजिक संदेश पर आधारित प्रभावशाली फोरम थिएटर जैसी आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों में प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच एवं टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। इस अवसर पर श्री संजय असाटी ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने भविष्य में भी टाउनशिपवासियों के लिए इस प्रकार की रचनात्मक एवं विकासोन्मुखी गतिविधियों के नियमित आयोजन का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का समापन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर किया गया। यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए सीखने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपनी प्रतिभा को मंच देने का एक यादगार अवसर सिद्ध हुआ। साथ ही, ऐसे कार्यक्रम टाउनशिप में आपसी सौहार्द, एकता एवं सामुदायिक भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र में बेखौफ धधक रही है कच्ची शराब की भट्टियां

कुशीनगर। जनपद के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के सपही टड़वा गांव के भरवा टोली एवं मधुरिया चौकी के चौहान पट्टी में कच्ची शराब की भट्टियां धड़ल्ले से चल रही हैं। इलाके में अवैध शराब निर्माण का यह कारोबार खुलेआम संचालित हो रहा है। लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग पूरी तरह से निष्क्रिय नजर आ रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस विभाग के बीट सिपाही और हल्का दरोगा को इन भट्टियों की पूरी जानकारी है। तभी तो छापे के दौरान शराब बनने वाले जगह से काफी मात्रा में शराब व लहन बरामद होती है। इसके बावजूद इन अवैध गतिविधियों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। ग्रामीणों का आरोप है कि इन शराब माफियाओं को पुलिस का संरक्षण प्राप्त है। पुलिस की मिलीभगत के चलते शराब माफिया बिना किसी डर के अपने अवैध धंधे को बढ़ावा दे रहे हैं। गुरवलिया में तो शाम को पियक्कड़ बिना किसी भय एवं संकोच के सड़क के किनारे ही बैठकर आराम से शराब पीते हैं। ऐसे संवेदनशील मामलों में पुलिस और आबकारी विभाग की चुप्पी पर सवाल उठना लाजिमी है। सवाल यह है कि आखिर क्यों प्रशासन इस अवैध गतिविधि को रोकने में असफल है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला केवल अवैध शराब के उत्पादन का नहीं है, बल्कि कानून–व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था की कमजोरियों को भी उजागर करता है।

ट्रेडिशनल मेडिसिन के नए केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है चिल्लूपार : सीएम योगी

बड़हलगंज। एक समय था जब चिल्लूपार और दक्षिणांचल बाढ़ की विभीषिका झेलते थें, यहां का नौजवान रोजगार के लिए पलायन करता था। रोजगार का कोई साधन नहीं था, लेकिन भाजपा सरकार में दक्षिणांचल की दशा बदली है, चिल्लूपार सरयू के आंचल की उर्वरा भूमि है, जिसको हमने पहचाना है। उक्त बातें शनिवार को बड़हलगंज क्षेत्र के महुआपार में लगभग 300 करोड़ की लागत से 319 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज पीएम मोदी के मार्गदर्शन में नया भारत स्थापित हो रहा है, गरीबों को आवास मिल रहा है तो वही माफिया को मिट्टी में भी मिलाया जा रहा है। चिल्लूपार के धुरियापार में आज सीएनजी व इथेनॉल का प्लांट स्थापित हुआ है। हम चिल्लूपार में ग्रेटर गिडा बना रहे हैं, हजारों करोड़ रुपए का निवेश होने जा रहा है। जहां पर पॉवर प्लांट, सीमेंट फैक्ट्री, आधुनिक पेंट की फैक्ट्री, दवाइयों की फैक्ट्री लगने जा रही है, जिससे चिल्लूपार के नौजवानों को अब यही पर रोजगार मिलेगा। सीएम योगी ने कहा है मै यहां की पीड़ा को नजदीक से देखा हूं। मुझे प्रसन्नता है कि आज चिल्लूपार में आयुष के डॉक्टर बन रहें है। आज चिल्लूपार विकास के प्रक्रिया से जुड़ गया है। रामजनकी मार्ग पर पहले के अपेक्षा कनेक्टिविटी बढ़ रही है। डबल इंजन की सरकार आने से आज अयोध्या में 500 वर्षों के बाद भगवान श्रीराम का मंदिर बन गया है। उन्होंने बिना नाम लिए विपक्ष को भी आड़े लेते हुए कहा कि जब हम गलत व्यक्ति को चुनते हैं तो अपने ऊपर एक नया कलंक और बोझ का धब्बा लगाते हैं।

समस्त थानों पर आयोजित हुआ थाना समाधान दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद के समस्त थानों पर "थाना समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समस्त क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारीगण द्वारा संबंधित थानों पर उपस्थित होकर जनसामान्य की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। थाना समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों में से अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि भूमि संबंधी समस्त विवादों एवं प्रकरणों का निस्तारण पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए किया जाए, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रकरणों का त्वरित, निष्पक्ष एवं न्यायसंगत निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। जनपद में पूर्व से पुलिस विभाग से संबंधित 23 तथा राजस्व विभाग से संबंधित 111 प्रार्थना पत्र लंबित थे। आज आयोजित थाना समाधान दिवस में पुलिस विभाग से संबंधित कुल 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए तथा कुल 14 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं राजस्व विभाग से संबंधित कुल 222 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए तथा 84 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रार्थना पत्रों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

कॉकटेल 2 का नया गाना वल्लाह आउट, शाहिद–कृति और रश्मिका की मस्ती ने जीता फैंस का दिल

कॉकटेल 2 को लेकर फैंस बेहद एक्साइटेड हैं. जब से फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, तब से ही फैंस इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. दूसरी ओर शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की इस फिल्म के गानों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचाया हुआ है. वहीं, अब इस लिस्ट में एक और नया गाना वल्लाह जुड़ गया है.

कॉकटेल 2 के मेकर्स ने फिल्म का नया गाना वल्लाह रिलीज कर दिया है. गाने में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी स्क्रीन जबरदस्त एनर्जी के साथ नजर आ रही है. तीनों सितारों का डांस, मस्ती और एक्सप्रेशन गाने को और भी दिलचस्प बना रहे हैं. बता दें ये पहली बार है जब तीनों एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं.

इस गाने को बयानी और हार्डी संधू ने ने अपनी आवाज दी है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है. वहीं म्यूजिक प्रीतम चक्रवर्ती ने दिया है और इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं. इस गाने में रोनी अजनाली और गिल मछराय ने पंजाबी टच दिया है. मैडॉक फिल्म्स और लव फिल्म्स की कॉकटेल 2 के इस नए गाने में दोस्ती, प्यार, कन्फ्यूजन, मैड जजमेंट, यादगार पल और दिल का पूरा इमोशनल देखने को मिल रहा है. गाने के बिट्स ऐसे हैं कि सुनकर ही आपके पैर डांस फ्लोर पर थिरकने लगेंगे.

कॉकटेल 2 के नए गाने वल्लाह फुल ऑन एनर्जी, इमोशन और ऐसा म्यूजिक जो सीधे दिल–दिमाग में घुस जाता है. ये गाना रिलेशनशिप के हर रंग को सेलिब्रेट करता है. ये उन दोस्तों की कहानी है जो फैमिली बन जाते हैं, उन लोगों की जो जिंदगी बदल देते हैं और उस प्यार की जो सब कुछ उलझा देता है. कॉकटेल 2 की दुनिया की वही यंग, बेफिक्र और फुल–ऑन जिंदगी वाली वाइब इस गाने में पूरी तरह झलकती है. वल्लाह गाना रोड ट्रिप, बीच वेकेशन, लेट नाइट ड्राइव और अपने लोगों के साथ खड़ी हर यादगार पल का परफेक्ट बैकग्राउंड म्यूजिक बन सकता है

कॉकटेल 2 का क्रेज लोगों के बीच पहले से ही पीक पर है . फिल्म का ट्रेलर हर प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है, गाने स्पॉटिफाई और यूट्यूब पर छाए हुए हैं, और मशूका गाना तो बिल्कुल चार्टबस्टर बन चुका है. वहीं, कॉकटेल 2 इस साल के सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले सिनेमैटिक इवेंट्स में से एक बन चुकी है. ऐसे में फिल्म रिलीज से पहले मेकर्स म्यूजिक फेस्टिवल कर रहे हैं, जो मुंबई, नई दिल्ली और पुणे में होगा.

कॉकटेल 2 होमी अदजानिया के डायरेक्शन में बनी है. इस फिल्म को दिनेश विजन, लव रंजन और अंकुर गर्ग के प्रोडक्शन में तैयार किया गया है. वहीं, इसकी कहानी तरुण जैन और लव रंजन ने लिखी है. फिल्म रिलीज की बात करे तो दर्शक इसे 19 जून से सिनेमाघरों में देख सकेंगे. इस फिल्म में शाहिद, कृति और रश्मिका मंदाना के अलावा संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं.

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूंरू शीना चौहान

अपकमिंग फिल्म अर्जुनैन अल्लिरानी में श्रानीच्य का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती

हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को खाली पन्ने की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक–फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे।

शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे।

उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

धमाल 4 की रिलीज तारीख का ऐलान, इस बार खजाने की तलाश में मचेगी धमाचौकड़ी

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म धमाल 4 का इंतजार खत्म होने वाला है। फिल्म के पोस्टर ने पहले माहौल तैयार कर दिया था। अब रिलीज तारीख ने आकर तहलका मचा दिया है। कॉमेडी और ड्रामे से भरपूर यह फिल्म अगले महीने दर्शकों के बीच आने के लिए बिल्कुल तैयार है। इसका निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है, जो इस फ्रैंचाइजी की पिछली तीनों किस्तों के निर्देशक भी रहे हैं। नए किरदारों में रवि किशन और संजीदा शेख शामिल हैं।

निर्माताओं ने धमाल 4 का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, साल का सबसे रोमांचक और अनोखा खजाना ढूंढने का खेल 10 जुलाई से शुरू हो रहा है। पहले फिल्म को 17 जुलाई को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब यह एक हफ्ते पहले दर्शकों के बीच आएगी। फिल्म हर उम्र के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने और गुदगुदाने का वादा करती है। अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा अपने पुराने किरदारों में वापसी करेंगे। धमाल 4 की कहानी अराजकता, पागलपन और एक बड़े खजाने की खोज के इर्द–गिर्द बुनी गई है। इस बार पूरी पलटन ट्रेजर ऑफ लाइफ (जीवन का खजाना) नाम के एक रहस्यमयी गुप्त खजाने को ढूंढने के लिए मिशन पर निकलेगी, लेकिन अजीबोगरीब परिस्थितियां हंसी और पागलपन में बदल जाएंगी। फिल्म का निर्माण टी–सीरीज फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। इसे 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

पेद्दी बॉक्स ऑफिसः वर्ल्डवाइड 400 करोड़ की ओर बढ़ रही राम चरण की फिल्म

राम चरण स्टारर स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म पेद्दी ने अपनी रिलीज के आठ दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म ध्रीरे–धीरे ही सही पर अच्छा बिजनेस कर रही है. फिल्म पहले ही 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और अब वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. पेद्दी ओवरसीज में भी अपना दबदबा कायम करने में लगी है. बुची बाबू सना और राम चरण की फिल्म ने 8 दिनों में कितना कलेक्शन किया है.

फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की मानें तो पेद्दी ने 8वें दिन 5 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि फिल्म ने सातवें दिन 7.55 करोड़ रुपये कमाए थे. 8वें दिन पेद्दी ने तेलुगु में 0.31 करोड़ रुपये, तमिल में 0.12 करोड़ रुपये और हिंदी में 1.10 करोड़ रुपये कमाए. इससे पेद्दी का नेट घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 193.55 करोड़ रुपये और ग्रॉस 229.95 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं, खबर लिखने जाने तक फिल्म ने नौवें दिन 1.34 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. बता दें, मेकर्स ने फिल्म पेद्दी की ऑफिशियल कमाई का आंकड़ा शेयर कर दिया है, जिसमें फिल्म ने 7 दिनों में वर्ल्डावाइड 345 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है.

आरआरआर (1200 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई) के बाद पेद्दी राम चरण की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. आईएमडीबी के अनुसार, आरआरआर ने वर्ल्डवाइड 1291.2 करोड़ रुपये की कमाई की है. रंगस्थलम (220.8 करोड़ रुपये), गेम चेंजर (215.8 करोड़ रुपये), मगधीरा (146.8 करोड़ रुपये) कमाए हैं. आरआरआर (2022) के चार साल बाद राम चरण की किसी फिल्म की 300 करोड़ी क्लब में एंट्री हुई है. बता दें, बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म में राम चरण अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं. उन्होंने कई स्पोर्ट्स खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है.

बर्तन धोने के लिए स्टील, प्लास्टिक या स्पंज वाला स्क्रबर? जानिए कौन–सा है सही विकल्प

बर्तन धोने के लिए स्क्रबर का इस्तेमाल करना आम है, लेकिन सही स्क्रबर का चयन करना जरूरी है। बाजार में स्टील, प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। इन तीनों के अपने–अपने फायदे और नुकसान हैं। इस लेख में हम इन तीनों स्क्रबर के बारे में विस्तार से जानेंगे, ताकि आप अपने बर्तनों को सही तरीके से धो सकें और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकें। आइए जानते हैं किसका चयन सबसे सही है।

कब करना चाहिए स्टील स्क्रबर का इस्तेमाल?

स्टील स्क्रबर उन बर्तनों के लिए सबसे अच्छा होता है, जिनमें जिद्दी चिपचिपे दाग लग जाते हैं। यह स्क्रबर आसानी से इन दागों को हटाता है और आपके बर्तनों को चमकदार बनाता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन–स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। स्टील स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को सुरक्षित रख सके।

प्लास्टिक स्क्रबर के फायदे और नुकसान

प्लास्टिक स्क्रबर हल्के होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना आसान होता है। ये स्क्रबर छोटे–छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं और बर्तनों को अच्छे से साफ कर सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं और इन्हें बार–बार बदलना पड़ता है। प्लास्टिक स्क्रबर का चयन करते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह साफ कर सके।

कब चुनना चाहिए स्पंज स्क्रबर?

स्पंज स्क्रबर नरम होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना बहुत आरामदायक होता है। ये स्क्रबर न केवल बर्तनों को साफ करते हैं, बल्कि उनमें खरोंच भी नहीं लगने देते। स्पंज स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह से साफ कर सके। स्पंज स्क्रबर का उपयोग कांच और नॉन–स्टिक बर्तनों पर किया जा सकता है।

बर्तनों को धोने का सही तरीका

बर्तन धोते समय सबसे पहले गर्म पानी का इस्तेमाल करें, क्योंकि यह चिकनाई और गंदगी को आसानी से हटाता है। इसके बाद साबुन या बर्तन धोने वाले तरल का उपयोग करें और फिर स्क्रबर का चयन करें, जो आपके बर्तनों के प्रकार के अनुसार हो। अंत में साफ पानी से धोकर बर्तनों को सूखने दें। इस प्रक्रिया से न केवल आपके बर्तन साफ रहेंगे, बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहेंगे।

कौन–सा स्क्रबर है ज्यादा टिकाऊ?

तीनों प्रकार के स्क्रबर अपनी–अपनी जगह पर उपयोगी होते हैं, लेकिन स्टील स्क्रबर सबसे ज्यादा टिकाऊ होता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन–स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर, दोनों ही हल्के होते हैं और छोटे–छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं, जबकि स्पंज स्क्रबर अधिक आरामदायक होते हैं। सही स्क्रबर का चयन आपके बर्तनों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकता है।